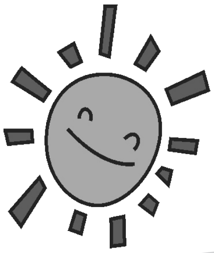

संस्कृत सोपानम्

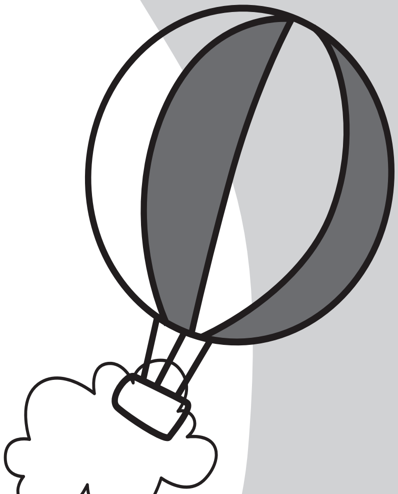

लेखक :

अशोक सारस्वत

एम० ए० (संस्कृत), बी० एड०

सहायक पुस्तिका

1-5

Irish BOOKS

संस्कृत सोपानम्-1

1 वर्णज्ञानम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. आ　　ख. ii. त्
　　ग. i. कृ　　घ. ii. न्
2. क. 46 वर्णा:।　　ख. 13 स्वरा:।　　ग. 33 व्यञ्जनानि।
　　घ. अं, अ: (हंस:, प्रात:)।　　ङ. क्ष, त्र।
3. **स्वरा:**　　**अ, इ, उ, ऊ, ऋ, ऐ, ओ, औ।**
　　व्यञ्जनानि　　**घ, च, ट, थ, द, ध, म, य।**
4. च् + आ = **चा**　　ब् + उ = **बु**
　　म् + ऋ = **मृ**　　स् + अ = **स**
　　ल् + इ = **लि**　　फ + ऐ = **फै**
　　न् + ऊ = **नू**　　ज् + औ = **जौ**
　　थ् + ई = **थी**　　र् + ए = **रे**
5. क वर्ग **ख्, घ्**　　च वर्ग **च्, छ्**
　　ट वर्ग **ड्, ढ्**　　त वर्ग **थ्, न्**
　　प वर्ग **फ्, भ्**

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

2 संस्कृतवर्णमाला

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. ऊ　　ख. i. ध　　ग. i. भ　　घ. ii. र
2. क.　　ख.　　ग.　　घ.

इला

झष:

दीप:

जतुका

3.
	अ		ब
क.	ऊ	iii.	**ऊर्णा**
ख.	ट	ii.	**टङ्किका**
ग.	ज	iv.	**जतुका**
घ.	औ	i.	**औषधम्**
ङ.	ध	iv.	**धनु:**

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

3 संयुक्त वर्णा:

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. ज्ञ　　ख. ii. विद्या　ग. ii. वर्णविच्छेद:
2. क. द्वयो: व्यञ्जनयो: मेलनं कृत्वा एकीकरणं 'संयुक्त वर्ण:' इति कथ्यते। उदाहरणम्— क् + ष् + अ = क्ष-अक्ष।
　　ख. श् + उ + क् + अ: = शुक:　　ह + अं + स् + अ: = हंस:
　　ग. प्रत्येक: शब्द: केचन वर्णै: मिलित्वा निर्मीयते, परं यदा वयं तान् वर्णान् पृथक् कुर्म: तु सा प्रक्रिया 'वर्णविच्छेद:' इति कथ्यते; तद्यथा—अज: = अ + ज् + अ:।
3. बक: = **ब् + अ + क् + अ:**
　　सारिका = **स् + आ + र् + इ + क् + आ**
　　मयूर: = **म् + अ + य् + ऊ + र् + अ:**
　　नयनम् = **न् + अ + य् + अ + न् + अ + म्**
　　कुक्कुर: = **क् + उ + क् + क् + उ + र् + अ:**
　　विद्यालय: = **व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ:**
4. क. ब् + आ + ल् + अ: = **बाल:**
　　ख. अ + ज् + आ = **अजा**
　　ग. म् + उ + न् + इ = **मुनि**
　　घ. प् + उ + ष् + प् + अ + म् = **पुष्पम्**

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

4 अमात्रिका: मात्रिकाश्च शब्दा:

अभ्यासकार्यम्

1. क. (ii) पादप:　　ख. (i) गज　　ग. (ii) ौ + ा
2.

तक्षक:

शुक:

वृक:

गज:

नेत्रम्

नौका

3. शक: = शुक:　　वक: = वृक:
　　कपत: = कपोत:　　हस: = हंस:
　　नत्रम् = नेत्रम्　　अज = अजा

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

5 लिङ्गज्ञानम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. (i) मूषक:　　ख. (ii) स्त्रीलिङ्गम्　　ग. (i) मोदकम्
2. मूषक: = **पुंल्लिङ्गम्**　　मक्षिका = **स्त्रीलिङ्गम्**
　　सारिका = **स्त्रीलिङ्गम्**　　नृप: = **पुंल्लिङ्गम्**
　　गृहम् = **नपुंसकलिङ्गम्**　　अजा = **स्त्रीलिङ्गम्**
　　मण्डूक: = **पुंल्लिङ्गम्**　　लूता = **स्त्रीलिङ्गम्**
　　छत्रम् = **नपुंसकलिङ्गम्**　　बक: = **पुंल्लिङ्गम्**
3.

वृषभ:

लूता

सारिका

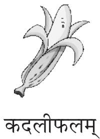
कदलीफलम्

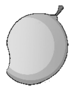
आम्रम्

छत्रम्

4. मण्डूक: = **मेढक**　　पिपीलिका = **चींटी**
　　कदलीफलम् = **केला**　　वृषभ: = **बैल**
　　लोमशा = **लोमड़ी**　　सारिका = **मैना**
　　काक: = **कौआ**　　पत्रम् = **पत्ता**

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

6 वचनानां ज्ञानम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. (ii) उष्ट्रौ ख. (i) पाटलम् ग. (ii) चटका:

2. क. संस्कृतभाषायां त्रीणि वचनानि भवन्ति; तद्यथा—एकवचनम्, द्विवचनम्, बहुवचनम्।

ख. 'वाटिका:' इति पदं बहुवचनं प्रदर्शयति।

ग. येषां शब्दानां सङ्ख्यायां द्वयो: बोध: भवति, ते 'द्विवचनम्' इति कथ्यन्ते; तद्यथा—रामौ, लते, पत्रे।

3.

क.	सैनिका:	(iv)	**अनेक सैनिक**
ख.	पाटले	(i)	**दो गुलाब**
ग.	पादप:	(v)	**पौधा**
घ.	चटका	(iii)	**चिड़िया**
ङ.	वाटिका:	(ii)	**अनेक बगियाँ**

4.

पादपा:	=	**बहुवचनम्**	वाटिके	=	**द्विवचनम्**
चटका	=	**एकवचनम्**	छत्रे	=	**द्विवचनम्**
उष्ट्र:	=	**एकवचनम्**	पाटले	=	**द्विवचनम्**

क्रियाकलाप:

विद्यार्थी स्वयं करें।

7 सर्वनामज्ञानम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. (iii) वह ख. (i) एते

ग. (iii) बहुवचनम् घ. (ii) क:

2. क. **ते** शुका: सन्ति। ख. **एते** गजा: सन्ति।

ग. **ते** माले स्त:। घ. **एते** लूते स्त:।

ङ. **ते** पुष्पे स्त:। च. **एते** फले स्त:।

3.

	(अ)		(ब)
क.	एष:	(vi)	**अयम्**
ख.	एतौ	(iii)	**इमौ**
ग.	एषा	(v)	**इयम्**
घ.	एते	(i)	**इमे**
ङ.	एता:	(ii)	**इमा:**
च.	एते	(iv)	**इमे**

4.

	अर्थ:	**लिङ्गम्**		**अर्थ:**	**लिङ्गम्**
स:	**वह**	**पुंल्लिङ्गम्**	एष:	**यह**	**पुंल्लिङ्गम्**
तौ	**वे दो**	**पुंल्लिङ्गम्**	एतौ	**ये दो**	**पुंल्लिङ्गम्**
सा	**वह**	**स्त्रीलिङ्गम्**	एषा	**यह**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ता:	**वे सब**	**स्त्रीलिङ्गम्**	एता:	**ये सब**	**स्त्रीलिङ्गम्**
तत्	**वह**	**नपुंसकलिङ्गम्**	एतत्	**यह**	**नुपंसकलिङ्गम्**
तानि	**वे सब**	**नपुंसकलिङ्गम्**	एतानि	**ये सब**	**नपुंसकलिङ्गम्**

क्रियाकलाप:

विद्यार्थी स्वयं करें।

8 क्रियाज्ञानम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. (ii) वदन्ति ख. (iii) लिखति ग. (ii) नमन्ति

घ. (ii) पतत: ङ. (i) क्रीडत:

2.

क.	लिख्	=	लिखति	**लिखत:**	लिखन्ति
ख.	पठ्	=	**पठति**	पठत:	**पठन्ति**
ग.	खाद्	=	खादति	**खादत:**	**खादन्ति**
घ.	क्रीड्	=	**क्रीडति**	क्रीडत:	**क्रीडन्ति**
ङ.	हस्	=	**हसति**	हसत:	**हसन्ति**

3.

	क्रिया		**धातु:**
क.	कूदना	(vi)	**कूर्द्**
ख.	नमस्कार करना	(iv)	**नम्**
ग.	बोलना	(v)	**वद्**
घ.	पकाना	(i)	**पच्**
ङ.	देखना	(iii)	**दृश्**
च.	खेलना	(ii)	**क्रीड्**

4.

गायति

धावत:

गायन्ति

गच्छति

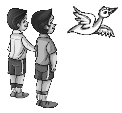
पश्यत:

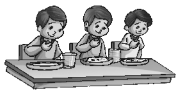
खादन्ति

क्रियाकलाप:

विद्यार्थी स्वयं करें।

9 सङ्ख्यावाचि शब्दाः

अभ्यासकार्यम्

1. (क) (iii) द्वे (ख) (ii) चक्राणि (ग) (i) सप्त

2.

पुंल्लिङ्गम्	**स्त्रीलिङ्गम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
एक:	**एका**	**एकम्**
द्वौ	**द्वे**	द्वे
त्रय:	तिस्र:	**त्रीणि**

क्रियाकलाप:

विद्यार्थी स्वयं करें।

संस्कृत सोपानम्-2

1 कारकपरिचयः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. अधिकरणकारकस्य   ख. i. सम्बन्ध
   ग. ii. सप्त   घ. i. करणकारकस्य
2. अपादान = **से (अलग होने के अर्थ में)**
   करण = **से, के साथ, द्वारा**
   कर्ता = **ने**   अधिकरण = **में, पर**
   कर्म = **को**   सम्प्रदान = **के लिए, को**
3. क. अधिकरण — iv. **में, पे, पर**
   ख. तृतीया — v. **से, के साथ, द्वारा**
   ग. षष्ठी — vi. **का, की, के**
   घ. चतुर्थी — iii. **के लिए, को**
   ङ. द्वितीया — i. **को**
   च. प्रथमा — ii. **ने**
4. क. विभुः कथां पठति।   ख. नेहा पुष्पैः माला रचयति।
   ग. पिमामही भोजनं खादति।   घ. अध्यापिका कथां श्रावयति।
   ङ. सेवकः आम्रम् आनयति।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

2 कर्ताकारकम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. पाठयति   ख. iii. मित्रम्   ग. i. कन्या
2. क. छात्रा हसति।   ख. बालः पठति।   ग. अजा चरति।
   घ. पुष्पं विकसति।   ङ. कोकिला गायति।
3. क. **अध्यापकः** पाठयति।   ख. **मित्रं** लिखति।   ग. **मृगः** धावति।
   घ. **कन्या** नृत्यति।   ङ. **गजः** चलति।
4. क. ii. **कूजति**
   ख. iii. **पठति**
   ग. iv. **विकसति**
   घ. 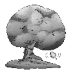 i. **पतति**
5. क. गजः   ख. अजा   ग. शशकः
   घ. छात्रः   ङ. आरक्षकः

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

3 कर्मकारकम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. कथाम्   ख. iii. पत्रिकाम्
   ग. iii. वानरः   घ. i. मृगः
2. क. जनः कार्यालयं गच्छति।   ख. चित्रकारः चित्रं रचयति।
   ग. पितामही ईश्वरं स्मरति।   घ. मुनिः यज्ञं करोति।
   ङ. सिंहः जलं पिबति।
3. क. मुद्रिकाम्   ख. बीजम्   ग. ईश्वरम्
   घ. पत्रिकाम्   ङ. पायसम्
4. क. वानरः फलं — v. **खादति**
   ख. पितामही पत्रिकां — iii. **पठति**
   ग. कृषकः बीजं — i. **वपति**
   घ. सः चित्राणि — ii. **पश्यति**
   ङ. अहं श्लोकं — iv. **स्मरामि**
5. क. माता पत्रिका पढ़ती है।   ख. कहानीकार कहानी लिखता है।
   ग. बंदर फल खाता है।   घ. खरगोश पत्ता खाता है।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

4 करणकारकम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. जलेन   ख. i. दण्डेन
   ग. iii. नासिकया   घ. ii. नेत्राभ्याम्
2. क. राजकुमारः अश्वेन याति।   ख. मृगाः पादैः धावन्ति।
   ग. कृषकः हलेन भूमिं कर्षति।   घ. वयं हस्ताभ्यां नमामः।
3.

	शब्दः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
क.	जलम्	**जलेन**	**जलाभ्याम्**	**जलैः**
ख.	माता	**मात्रा**	**मातृभ्याम्**	**मातृभिः**
ग.	नासिका	**नासिकया**	**नासिकाभ्याम्**	**नासिकाभिः**
घ.	लता	**लतया**	**लताभ्याम्**	**लताभिः**

4. क. ईश्वर **कृपया** वयं स्वस्थाः स्मः।   ख. रावणः **छलेन** सीताम् अहरत्।
   ग. माता **छुरिकया** शाकं कृन्तति।   घ. बालः **कन्दुकेन** क्रीडति।
5. क. राम मित्र के साथ मेले को जाता है।
   ख. गाय का बछड़ा अपनी माता के साथ घास खाता है।
   ग. वृद्ध डंडे से कुत्ते को पीटता है।
   घ. माली जल से पौधों को सींचता है।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

5 सम्प्रदानकारकम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. बालकाय   ख. ii. माले   ग. i. परोपकाराय
2. क. अम्बा बालाभ्यः दुग्धं यच्छति।   ख. बालः विद्यायै सुखं त्यजति।
   ग. पुस्तकानि ज्ञानाय भवन्ति।   घ. मालाकारः बालाभ्यां माले रचयति।
   ङ. सूर्याय नमः।
3. क. बालः **विद्यायै सुखं** त्यजति।   ख. माता बालकाय **पायसं** ददाति।
   ग. पुस्तकानि **ज्ञानाय** भवन्ति।   घ. मालाकारः **बालाभ्यां माले** रचयति।
4.

	'अ' स्तंभ		**'ब' स्तंभ**
क.	विद्यायै	iii.	**ज्ञान के लिए**
ख.	याचकाय	i.	**याचक के लिए**
ग.	सूर्याय	v.	**सूर्य को**
घ.	फलेभ्यः	ii.	**फलों के लिए**
ङ.	निर्धनाय	iv.	**निर्धन के लिए**

5. क. सेठ याचक को दूध देता है।   ख. पुस्तकें ज्ञान के लिए होती हैं।

ग. बालक पढ़ने के लिए आते हैं।
घ. बाघ शिकार के लिए घूमता है।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

6 अपादानकारकम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. गृहात् ख. iii. मेघेभ्यः
ग. ii. कूपात् घ. ii. पुष्पेभ्यः

2. क. पत्रं वृक्षात् पतति। ख. महिला पुष्पाणि वाटिकायाः आनयति।
ग. मेघेभ्यः जलं पतति। घ. श्रमिकः काष्ठानि वनात् आनयति।
ङ. बालः कुकुरात् भीतः रुदति।

3. क. **लतायाः** पुष्पाणि पतन्ति। ख. वानरः **वृक्षात्** कूर्दति।
ग. अहं **वाटिकायाः** पुष्पाणि आनयामि।
घ. विभा **देवालयात्** प्रसादम् आनयति।
ङ. **पुष्पात्** गन्धः प्रभवति।

4.

आलयम्	=	**गृहम्**	तरुः	=	**वृक्षः**
शिक्षकः	=	**अध्यापकः**	पयोदः	=	**मेघः**
सुमनम्	=	**पुष्पम्**	उपवनम्	=	**उद्यानम्**

5.

आनयति	=	**लाता है**	पतति	=	**गिरता है**
निष्कासयति	=	**निकालती है**	प्रभवति	=	**उत्पन्न होती है**
रुदति	=	**रोता है**	जायते	=	**होती है**

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

7 सम्बन्धभावः (षष्ठी विभक्तिः)

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. गङ्गायाः ख. iii. वाटिकायाः
ग. i. बुद्धस्य घ. ii. मकरस्य

2. क. गङ्गायाः जलं पवित्रम् अस्ति। ख. पर्वतानां राजा हिमालयः।
ग. भ्रमराः कमलानाम् उपरि गुञ्जन्ति। घ. शशकः वृक्षस्य अधः शेते।
ङ. अश्वस्य बलं प्रसिद्धम्।

3.

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुंल्लिङ्गम्	देवस्य	**देवयोः**	**देवानाम्**
	पादपस्य	पादपयोः	**पादपानाम्**
स्त्रीलिङ्गम्	रमायाः	**रमयोः**	रमानाम्
	वाटिकायाः	वाटिकयोः	**वाटिकानाम्**
नपुंसकलिङ्गम्	पुष्पस्य	**पुष्पयोः**	**पुष्पाणाम्**
	मित्रस्य	**मित्रयोः**	मित्राणाम्

4. क. इदं **मम** मित्रस्य पुस्तकम् अस्ति। ख. गृहस्य समीपं **मन्दिरम्** अस्ति।
ग. **पुष्पस्य** गन्धः मनोहरति। घ. भीमस्य **बलं** प्रसिद्धम्।
ङ. **वानरः** शाखायाः उपरि उपविशति।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

8 अधिकरणकारकम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. तडागे ख. i. नीडेषु ग. iii. उद्याने

2. क. मीना: तडागस्य जले तरन्ति।
ख. कमलेषु भ्रमराः उपविशन्ति मधुरं च गुञ्जन्ति।
ग. खगाः वृक्षाणां शाखासु उपविशन्ति।
घ. उद्याने बालाः क्रीडन्ति जनाश्च भ्रमन्ति।
ङ. पुष्पाणि दृष्ट्वा: बालाः आनन्दिताः भवन्ति।

3. क. वने एकः **तडागः** अस्ति।
ख. कमलानि **सुन्दराणि** सन्ति।
ग. वृक्षेषु खगानां **नीडानि** सन्ति।
घ. समीपम् एव एकम् **उद्यानम्** अपि अस्ति।
ङ. उद्याने **बालाः** क्रीडन्ति।

4. क. पठन्ति ख. पश्यन्ति, भवन्ति
ग. विकसन्ति घ. खादथ ङ. गच्छामि

5. क. वने एकः **तडागः** अस्ति। ख. पाटलपुष्पे **भ्रमरः** गुञ्जति।
ग. **नीडे** चटकायाः अण्डानि सन्ति। घ. **उद्याने** बालाः धावन्ति।
ङ. लतासु **पुष्पाणि** विकसन्ति।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

9 सम्बोधनम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. प्रविश्य ख. iii. उभे
ग. i. तेषाम् घ. iii. वृक्षेषु

2. क. मधुरः विद्यालयम् अतः नागतः यतोहि तस्य गृहे अद्य जन्मोत्सवः अस्ति।
ख. भारतवर्षे षड् ऋतवः भवन्ति; तद्यथा—वसन्त-ग्रीष्म, वर्षा-शरद्-हेमन्त-शिशिर इति।
ग. वसन्तऋतौ वृक्षेषु नवीनानि पत्राणि प्रभवन्ति।
घ. सर्वत्र प्रसन्नता एव प्रसन्नता प्रसरति।
ङ. सदाचारी दुःखं न प्राप्नोति।

3. क. किं सर्वे **छात्राः** उपस्थिताः सन्ति?
ख. सर्वे **उपस्थितिं** ब्रवन्तु।
ग. सर्वत्र **प्रसन्नता** एव **प्रसन्नता** प्रसरति।
घ. **आचार्यवर!** वयम् अग्रे किं पठिष्यामः?
ङ. **मातृपितृभक्ति** सर्वदा लाभकारी भवति।

4. क. प्रविश्य, सम्बोधयति ख. दृश्यते ग. ब्रवन्ति
घ. अस्ति ङ. वहति च. भवेत

5. क. भोः मधुर! एतत पुस्तकम् आनय।
ख. भोः बालकौ! युवां किं पठथः?
ग. भोः छात्राः! अद्य वयम् उद्यानकार्यं करिष्यामः।
घ. श्रीमन्! अहं पत्रं लिखामि।
ङ. वसन्तऋतौ पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति।

6. क. भो! पार्थ! किं दक्षः गृहं **गतः**?
ख. शृणुत, **आम्रेषु** कोकिलाः कूजन्ति।
ग. वसन्तऋतौ सर्वत्र **प्रसन्नता** एव प्रसन्नता दृश्यते।
घ. शाखासु खगाः **कूजन्ति**।
ङ. आचारहीनः सदा **दुःखं** प्राप्नोति।
च. उपवनस्य सौन्दर्यम् **अति** मनोहरम् अस्ति।
छ. सदाचारी **सुखी** भवति।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

10 शरीरम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. शिर: ख. i. नासिकया ग. iii. पादौ
2. क. शरीरस्य पञ्च अङ्गानि सन्ति—शिर:, नयनम्, कर्ण:, हस्त: पादश्च।
   ख. मुखस्य कार्यं भक्षणम् अस्ति।
   ग. दन्तै: भोजनं चर्वाम:।
   घ. मस्तकस्य शोभा ललाटेन, कपोलाभ्यां केशै: च भवति।
   ङ. पादयो: कार्यं चलनम् अस्ति।
3. क. शरीरस्य बहूनि **अङ्गानि** सन्ति। ख. मुखे **दन्ता:** भवन्ति।
   ग. नासिकया वयं **पुष्पाणि जिघ्राम:**। घ. **कर्णाभ्यां** पाठम् आकर्णयाम:।
   ङ. वयं **पादाभ्यां** चलाम:। च. पुष्पै: वयं **देवपूजां** कुर्म:।
4. गाल = **कपोल:** कान = **कर्ण:**
   गर्दन = **ग्रीवा** आँख = **नेत्रम्**
   दाँत = **दन्ता:** पैर = **पाद:**
   माथा = **मस्तकम्** मुँह = **मुखम्**
   पेट = **उदरम्** छाती = **वक्ष:स्थलम्**
5. क. एतानि अङ्गानि अस्माकं सहायकानि सन्ति।
   ख. केशै: मस्तकस्य शोभा भवति।
   ग. शरीरस्य मध्ये उदरम्, वक्ष:स्थलं च स्थिते स्त:।
   घ. वयं नेत्राभ्यां वस्तूनि पश्याम:।
   ङ. अधोभागे पादौ भवत:।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

11 श्रीराम:

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. नपुंसकलिङ्गम् ख. ii. सम्प्रदान
   ग. i. द्विवचनम् घ. ii. आसन्
2. क. पाठ: श्रीरामस्य विषये अस्ति।
   ख. चैत्रमासे शुक्लपक्षस्य नवम्यां तिथौ श्रीराम: अजायत।
   ग. ऋषि: वशिष्ठ: श्रीरामस्य कुलगुरु:।
   घ. श्रीरामस्य भ्रातृणां नामानि सन्ति—भरत: लक्ष्मण: शत्रुघ्नश्च।
   ङ. श्रीराम: लङ्केशस्य रावणस्य वधम् अकरोत्।
3. क. इदं **श्रीरामस्य** चित्रम् अस्ति।
   ख. श्रीरामाय **नम:**।
   ग. तस्य मातु: नाम **कौशल्या** आसीत्।
   घ. श्रीरामस्य पुत्रौ **लवकुशौ** आस्ताम्।
   ङ. **विश्वामित्र:** श्रीरामस्य गुरु: आसीत्।
4.

	पदम्		**विभक्ति:**	**वचनम्**
क.	श्रीरामस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ख.	नवम्याम्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
ग.	मातृणाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
घ.	भ्रातर:	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
ङ.	पुत्रौ	=	**प्रथमा, द्वितीया**	**द्विवचनम्**

5. क. भो: छात्रा! **पश्यत** एतत् चित्रम्।
   ख. श्रीरामस्य द्वौ पुत्रौ **आस्ताम्**।
   ग. श्रीराम: नवम्यां तिथौ **अजायत**।
   घ. लक्ष्मण: मेघनादस्य वधम् **अकरोत्**।
   ङ. लङ्काया: अधिपति: रावण: **आसीत्**।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

12 पिपासित: काक:

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. आस्ताम् ख. ii. पीकर ग. i. प्राप्स्यथ
2. क. काक: वने आसीत्।
   ख. काक: वृक्षाद् वृक्षम्, नगरात् नगरं ग्रामात् ग्रामं च अभ्रमत्।
   ग. आम्, घटे जलं स्वल्पम् आसीत्।
   घ. यदा काक: जलमध्ये बहून् पाषाणखण्डान् अक्षिपत् तदा जलम् उपरि आगतम्।
   ङ. काक: बुद्धिपूर्वकं यत्नेन सफलतां प्राप्नोत्।
3. क. एकदा **ग्रीष्मर्तौ** स: **पिपासया** अति आकुल: अभवत्।
   ख. सहसा स: एकं **घटम्** अपश्यत्।
   ग. घटे जलं **स्वल्पम्** आसीत्।
   घ. **जलं** पीत्वा स: **सन्तुष्ट:** अभवत्।
4. क. अति ख. च ग. सहसा
   घ. शनै: शनै:, उपरि ङ. अपि, तथैव
5. वनम् = **अरण्यम्** आकुल: = **व्याकुल:**
   जलम् = **नीरम्** वृक्ष: = **तरु:**
   काक: = **वायस:** यत्नम् = **प्रयासम्**
   बुद्धि: = **प्रज्ञा** दिवस: = **दिनम्**

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

13 रूपाणि

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

संस्कृत सोपानम्-3

1 प्रभातवेला

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. भू ख. ii. सूर्य ग. iii. अव्यय
2. क. प्रात:काल: चतुर्वादनं समयात् आरभते।
   ख. प्रभातवेलायां पक्षिण: मधुरेण कलरवेण शान्तं भूमण्डलं संगीतमयं कुर्वन्ति।
   ग. ब्रह्ममुहूर्ते विद्यार्थिन: विद्याम् अधिगच्छन्ति। पठितानां पाठानाम् अभ्यासं कुर्वन्ति बहून् विषयान् च कण्ठीकुर्वन्ति।
   घ. ओषजनवायुना लब्धशक्तय: जना: श्रान्तिं न अनुभवन्ति।
   ङ. अस्माभि: सदैव सूर्योदयात् पूर्वमेव उत्थातव्यम्।
3. क. प्रात:कालिकी **सुषमा** अतीव **रमणीया** भवति।
   ख. सूर्योदयं यावत् च **प्रभातवेला** एव उच्यते।
   ग. प्रभातवेलायां **प्रकृते:** शोभा अपि अति मनोहारिणी भवति।
   घ. युवान: **व्यायामम्** आचरन्ति, शक्तिं **स्वास्थ्यं** च लभन्ते।
   ङ. अस्माभि: सदैव **सूर्योदयात्** पूर्वमेव उत्थातव्यम्।
4. क. रजनी **iii. दिवा**
   ख. प्रात: **iv. संध्या**
   ग. सुगन्ध: **i. दुर्गन्ध:**
   घ. उत्तम: **ii. अधम:**
   ङ. मुदिता: **vi. दु:खिता:**
   च. अथ **v. इति**
5. क. प्रात: कालीन सौन्दर्य बहुत ही रमणीय होता है।
   ख. सूर्योदय तक प्रभात वेला ही कहलाती है।
   ग. प्रभातवेला में प्रकृति की शोभा भी बहुत मनोहारी होती हैं।
   घ. प्रभातवेला में शुद्ध वायु में घूमने से स्वास्थ्य बढ़ता है।
   ङ. हमें हमेशा सूर्योदय से पहले उठना चाहिए।
6. क. भवति = संध्या कालिकी सुषमा अपि मनोहारिणी **भवति**।
   ख. आरभते = ब्रह्ममुहूर्त्त वेलायां चतुर्वादन समयात् **आरभते**।
   ग. उच्यते = सूर्योदय यावत् प्रभातवेलायं एव **उच्यते**।
   घ. कुर्वन्ति = बालका: कोलाहलम् **कुर्वन्ति**।
   ङ. गच्छन्ति = छात्रा: विलयम् गच्छन्ति।
   च. लभन्ते = युवान: व्यायामम् आचरन्ति शक्तिं स्वास्थ्यं च लभन्ते।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

2 विभिन्ना: पक्षिण:

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. मयूर: ख. ii. हंस: ग. i. रक्त:
2. क. मयूर: अस्माकं राष्ट्रिय: पक्षी। ख. मयूर: उपवनेषु वसति।
   ग. मयूर: सर्पस्य शत्रु आस्ति। घ. हंसस्य वर्ण: श्वेत: भवति।
   ङ. हंस: मत्स्यान भक्षयति। च. पिक: सुमधुरं कूजति।
   छ. शुक: वाचम् अनुकरोति। ज. शुकस्यचञ्चु लोहित: भवति।
3. क. मयूर: **उपवनेषु** वसति।
   ख. हंस: **सरोवरे** वसति।
   ग. पिकस्य स्वर: **मधुरो** भवति।
   घ. अस्य **कूजनं** सर्वेषां **जनानां चित्तम्** आह्लादयति।
   ङ. अयं **मनुष्यस्य** मित्रम् अस्ति।
4. क. कर्मकारकम् बहुवचनम्
   ख. अधिकरणकारकम् एकवचनम्
   ग. कर्ताकारकम् एकवचनम्
   घ. करणकारकम् एकवचनम्
5. क. अस्य ख. अयम् ग. अस्य घ. एनम्।
6. क. बालिकाया: **नृत्यम्** अतीव शोभनम् आसीत्।
   ख. पिकस्य मधुरा ध्वनि: जनानां चित्तम् **आकर्षति**।
   ग. राम **एव** तत् कार्यं कर्तुं शक्नोति।
   घ. चटकाया: **नीडम्** अति सुन्दरं प्रतीयते।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

3 गणतन्त्रदिवस:

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. गणतन्त्रदिवस: ख. i. 1950 तमे वर्षे
   ग. i. भारतद्वारम् उभयत:
2. क. 'प्रजया प्रजायै शासनम्' इदृशीं व्यवस्थां वयं गणतन्त्रदिवसरूपे मानयाम:।
   ख. उत्सवोऽयं प्रतिवर्षं जनवरीमासस्य 26 तमे दिनाङ्के मानयन्ति।
   ग. 1950 तमे ख्रीष्टाब्दे जनवरीमासस्य षड्विंशति दिनाङ्के नवीनसंविधानस्य घोषणा अभवत्।
   घ. राष्ट्रपतिमहोदय: समारोहे चतुर्भि: अश्वै: आकृष्णमाणे रथे उपविश्य आगच्छति।
   ङ. राष्ट्रपतिभवने केन्द्रीये सचिवालये च विद्युद्दीपानां चित्रविचित्रो प्रकाश: भवति।
3. क. अस्माकं देश: **1947 तमे ख्रीष्टाब्दे अगस्तमासस्य पञ्चदशे दिनाङ्के** स्वतन्त्र: अभवत्।
   ख. गणतन्त्रे **राष्ट्रपति:** सर्वोच्च: शासक: भवति।
   ग. तत्र सेना: **प्रजाश्च** तम् अभिनन्दन्ति।
   घ. तस्य आगते राष्ट्रध्वजस्य **आरोहणं** भवति।
   ङ. जना: विविधानि **युद्धोपकरणानि शोभा दृश्यानि** च दृष्ट्वा मोदन्ते।
4. क. करणकारकम् ख. कर्ताकारकम्
   ग. अधिकरणकारकम् घ. सम्बन्ध
   ङ. कर्मकारकम्
5. क. प्रजायै iii. **प्रजा के लिए**
   ख. कथ्यते iv. **कहलाता है**
   ग. देहल्याम् i. **दिल्ली में**
   घ. आरोहणम् v. **फहराना**
   ङ. उभयत: ii. **दोनों ओर**
6. क. श्व: अस्माकं विद्यालये खेल **समारोह:** भविष्यति।
   ख. राष्ट्रपते: आगते ध्वजस्य **आरोहण:** भवति।
   ग. ह्य: **रात्रौ** चन्द्रचन्द्रिका देदीप्यमाना आसीत्।
   घ. मम हरिद्वारस्य **यात्रा** सफला अभवत्।
   ङ. गणतन्त्रे राष्ट्रपति: **सर्वोच्च:** शासक: अस्ति।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

4 बुद्धिर्बलम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. अव्ययम् ख. ii. भूखा ग. i. आत्मन्
2. क. सिंह: निर्दय: आसीत्।
   ख. सिंहेन नित्यम् अनेकान् पशून् खादनेन दु:खितो भूय सर्वे पशव: सिंह समीपम् अगच्छन्।
   ग. सिंह: कूपे स्व प्रतिबिम्बम् अपश्यत्।

घ. क्रोधेन परिपूर्णः सिंहः अपरं सिंहं हन्तुम् आत्मानं कूपे अक्षिपत्।

ङ. यस्य बुद्धिः तस्य बलम्।

3. क. एकस्मिन् वने **एकः सिंहः** वसति स्म।

ख. शशकः **अति चतुरः** आसीत्।

ग. स मां **अवारयत् खादितुं** च उद्यतः अभवत्।

घ. अस्मिन् कूपे एव **स सिंहः** वसति।

4. क. कस्मिंश्चित् वने एकः भयङ्करः सिंहः वसति स्म।

ख. सः नित्यम् अनेकान् पशून् हत्वा खादति स्म।

ग. एकदा सिंहः क्षुधितः आसीत्।

घ. शशकः बुद्धिबलेन सर्वेषां प्राणिनां रक्षाम् अकरोत्।

5. क. वने एकः चतुरः शशकः **वसति** स्म।

ख. शृगालः शशकं **हन्तुं** तम् अनुधावति।

ग. सिंहः अपरं सिंहं हन्तुम् **उद्यतः** अभवत्।

घ. सिंहः अति **क्षुधितः** आसीत्।

ङ. शृगालः **आत्मानं** वनस्य राजा मन्यते स्म।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

5 सुभाषितानि

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. सप्तमी ख. i. एकवचनस्य

ग. i. कस्यचित् + रिपुः

2. क. प्रत्येकस्यां परिस्थितौ महतां स्थितिः समं भवति।

ख. कार्यकाले समुत्पन्ने पुस्तकीया विद्या परहस्ते च गतं धनं व्यर्थम्।

ग. यः उत्सवे, सङ्कटे, अकाले, राष्ट्रविद्रोहे, राजद्वारे श्मशाने च सहैव तिष्ठति स एव बन्धुः।

घ. व्यवहारेण मित्राणि रिपवश्च जायन्ते।

ङ. मणिना वलयेन च करः विभाति।

3. क. उदेति **सविता ताम्रः** ताम्र **एवास्तमेति** च।

ख. **कार्यकाले समुत्पन्ने** न सा विद्या न **तद्धनम्**।

ग. राजद्वारे **श्मशाने** च यस्तिष्ठति स **बान्धवः**।

घ. **व्यवहारेण** जायन्ते मित्राणि **रिपवस्तथा**।

ङ. कविना **च विभुर्विभुना कविः कविना विभुना** च विभाति **सभा**।

4. क. परहस्तगतं धनं सुरक्षितं न <u>तिष्ठति</u>। **तिष्ठति**

ख. दुर्भिक्षे राष्ट्रविप्लवे च यः <u>तिष्ठति</u> स एव बान्धवः। **तिष्ठति**

ग. सविता ताम्रः <u>उदेति</u>। **उदेति**

घ. कविना विभुना च सभा <u>विभाति</u>। **विभाति**

ङ. मित्राणि रिपवश्च व्यवहारेण <u>जायन्ते</u>। **जायन्ते**

5. क. **विद्या**हीनः जनः पशु इव।

ख. यः **दुर्भिक्षे** सह तिष्ठति स एव बन्धुः।

ग. **कविना** राज्ञा चैव विभाति सभा।

घ. न **कश्चित्** अपि कस्यापि मित्रं शत्रु वा भवति।

ङ. सेवकः राज्ञः समक्षं **करः** बद्ध्वा स्थितः अस्ति।

6. क. सूर्य लाल रंग का उदित होता है और लाल ही अस्त होता है।

ख. किसी कार्य के उत्पन्न होने पर न वह विद्या न वह धन किसी लाभ का।

ग. राजदरबार और श्मशान में जो साथ रहता है वह बंधु है।

घ. मित्र तथा शत्रु व्यवहार से बनते हैं।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

6 चतुरः काकः

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. अस् ख. iii. तुमन् ग. i. षष्ठी

2. क. काकः रोटिकाखण्डं खादितुम् आरब्धवान्।

ख. काकात् रोटिकाखण्डं प्राप्तुं शृगालः उपायं चिन्तितवान्।

ग. शृगालः उक्तवान् यत् भवान् पक्षिषु अतीव सुन्दरः वर्णेन च आकर्षकः अस्ति। भवतः स्वरोऽपि मधुरः। भवान् सुन्दरं गायति अतः एकं गीतं गायतु।

घ. स्वकीयां प्रशंसां श्रुत्वा काकः झटिति रोटिकाखण्डं स्व पादयोः अधः स्थापयति।

ङ. स्व दुष्टतायाः आवरणे अवतरिते शृगालः ततः पलायितः।

3. क. एकः **काकः** आसीत्।

ख. सः काकस्य **मुखे रोटिकाखण्डं** दृष्टवान्।

ग. भवतः वर्णः तु अतीव **आकर्षकः**।

घ. कृपया एकं **गीतं** गायतु।

ङ. शृगालः **शिरः अवनम्य** ततः पलायितः।

4. क. एतत् + अर्थम् = **एतदर्थम्**

ख. पुनः + च = **पुनश्च**

ग. अति + इव = **अतीव**

घ. अति + अन्तम् = **अत्यन्तम्**

ङ. अस्मिन् + अपि = **अस्मिन्नपि**

च. दुर् + जनः = **दुर्जनः**

5. क. काकः रोटिकां प्राप्तुं **पुनः** उड्डयति।

ख. शृगालः रोटिकां प्राप्तुम् **उपायं** चिन्तयति।

ग. **मम** वार्तां ध्यानेन शृणु।

घ. मह्यं **वचनं** देहि यत् त्वं सदा सत्यं वदिष्यसि।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

7 विजयादशमी

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. दशम्याम् ख. i. तुमुन् ग. ii. लट्लकारस्य

2. क. भारतीयाः उत्सवप्रियाः भवन्ति।

ख. आश्विनमासस्य शुक्लपक्षे दशम्यां तिथौ विजयादशम्याः उत्सवस्य आयोजनं भवति।

ग. जनाः श्रीरामं मर्यादायाः, सत्यस्य सदाचारस्य च प्रतीकं मन्यन्ते।

घ. श्रीरामस्य रावणस्योपरि विजयकारणात् अस्य उत्सवस्य प्रवर्तनम् अभवत्।

ङ. रामलीलायां रावणस्य अग्निदाहः भवति?

छ. अस्मिन् दिवसे बङ्गालप्रान्ते शक्तिरूपायाः सिंहवाहिन्याः दुर्गादेव्याः पूजा भवति।

च. विजयादशम्याः उत्सवात् इयं शिक्षा समुपलभ्यते यत् वयं सदा धर्मन्यायमार्गम् अनुसरेम।

ज. मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो।

3. क. नानाविधेषु **भारतीयोत्सवेषु 'विजयादशमी'** विशिष्टोत्सवः अस्ति।

ख. अस्मिन् दिने एव श्रीरामः **रावणस्य** वधम् अकरोत्।

ग. जनाः इमम् उत्सवं **पूर्णेन** उत्साहेन मन्यन्ते।

घ. अयम् उत्सवः **बङ्गालप्रान्ते** दुर्गापूजारूपेण प्रचलितोऽस्ति।

ङ. अतः **धर्माचरणम्** एव वरम्।

4. क. भू ख. मानय् ग. मन्य्

घ. श्रु ङ. कृ

5. क. अस्माकं विद्यालये श्व चित्रप्रतियोगितायाः **आयोजनं** भविष्यति।

ख. कलाकाराः श्रीरामचरितस्य **प्रदर्शनं** कुर्वन्ति।

ग. चलने असमर्थः रुग्णः जनः वृक्षम् **आश्रित्य** उपविशति।

घ. एकः गुणी पुत्रः **वरम्**।

ङ. **श्रूयते** यत् अस्मिन् वारे अस्माकं ग्रामेऽपि विजयादशम्याः उत्सवस्य आयोजनं भविष्यति।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

8 वसन्तऋतुः

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. सर्वनाम ख. iii. अव्ययपदम् ग. i. उदकम्
2. क. भारतदेशे षट् ऋतवः क्रमानुसारम् आगच्छन्ति।
   ख. वसन्ते पुष्पाणां सौरभस्य प्रसारः भवति।
   ग. वसन्तस्य पर्यायवाचकाः शब्दाः सन्ति—ऋतुराजः, कुसुमाकरः, कुसुमायुधः।
   घ. अस्मिन् ऋतौ दिशः स्वच्छाः भवन्ति।
   ङ. संसक्तपक्षाः अपि भ्रमराः मधुनः स्वादं प्रति अनवरतं स्वानुरागं प्रकटयन्ति।
3. क. तेषु वसन्तः **ऋतुराजः** अस्ति।
   ख. **वसन्तस्य स्वागतं** सर्वे जनाः अति आनन्देन कुर्वन्ति।
   ग. वसन्ते **आकाशः** अति निर्मलः भवति।
   घ. वृक्षेषु **नवपल्लवाः** सर्वेषां मनांसि आकर्षयन्ति।
   ङ. पवनेन **प्रकम्पमानाः लताः** नृत्यन्ति इव प्रतीयन्ते।
4. सु + आगतम् = **स्वागतम्** क्रम + अनुसारम् = **क्रमानुसारम्**
   स्व + अनुरागम् = **स्वानुरागम्** कुसुम + आकरः = **कुसुमाकरः**
5. क. वसंत ऋतुराज कहलाता है।
   ख. उनमें वसंत ऋतुराज है।
   ग. वसंत सभी प्राणियों के मन को प्रसन्न करता है।
   घ. वसंत में आकाश बहुत निर्मल होता है।
   ङ. पक्षियों का चहचहाना भी सुखदायक होता है।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

9 भारतीयाः कृषकाः

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. सूर्योदयात् पूर्वम् ख. i. आधुनिकैः यन्त्रैः
   ग. iii. भारतीय खाद्यनिगमः
2. क. भारतवर्षः कृषिप्रधानः देशः।
   ख. कृषकाः परिश्रमिणः भवन्ति।
   ग. कृषकाः क्षेत्रे गत्वा क्षेत्रं कर्षन्ति जलेन च सिञ्चन्ति।
   घ. कृषकेभ्यः उर्वरकं बीजानि च प्रशासनः ददाति।
   ङ. कृषकाः अन्नादिकम् उत्पादयन्ति येन जनानां रक्षा भवति। अतः एतेषां महत्त्वम् अस्ति।
3. क. ते **बलिवर्दौ** योजयित्वा क्षेत्रं कर्षयन्ति।
   ख. कृषकाः **सूर्योदयात्** पूर्वम् एव **शय्यात्यागं** कुर्वन्ति।
   ग. **कृषिव्यवस्थायै** ऋणव्यवस्था अतीव आवश्यकी वर्तते।
   घ. **ग्रामपञ्चायतसमिति** कृषकेभ्यः बहुकार्यं करोति।
   ङ. एतेषाम् अत्यन्तं **महत्त्वम्** अस्ति।
4. क. भारतीयः = **भ् + आ + र् + अ + त् + ई + य् + अः**
   ख. विपुलम् = **व् + इ + प् + उ + ल् + अ + म्**
   ग. सुविधा = **स् + उ + व् + इ + ध् + आ**
   घ. विक्रयम् = **व् + इ + क् + र् + अ + य् + अ + म्**
   ङ. खरपतवारम् = **ख् + अ + र् + अ + प् + अ + त् + अ + व् + आ + र् + अ + म्**
   च. व्यवस्था = **व् + य् + अ + व् + अ + स् + थ् + आ**
   छ. पूर्वम् = **प् + ऊ + र् + व् + अ + म्**
5.

	वचनम्	लिङ्गम्
क.	बहुवचनम्	पुंल्लिङ्गम्
ख.	द्विवचनम्	पुंल्लिङ्गम्
ग.	एकवचनम्	स्त्रीलिङ्गम्
घ.	एकवचनम्	नपुंसकलिङ्गम्
ङ.	एकवचनम्	नपुंसकलिङ्गम्
च.	बहुवचनम्	पुंल्लिङ्गम्

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

10 विज्ञानस्य चमत्काराः

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. गम् ख. iii. क्त्वा ग. ii. क्त
2. क. वर्तमाने विज्ञानस्य युगम् अस्ति।
   ख. दूरदर्शने वयं गृहे एव स्थित्वा देशविदेशानां समाचारान् प्राप्नुमः, सङ्गीतम् आकर्षयामः, मनोरञ्जनाय चलचित्रनाटकादिकं पश्यामः, विविधाः ज्ञानप्रदाः वार्ताः अवगच्छामः, इत्येवं दूरदर्शनस्य उपयोगः।
   ग. दूरभाषस्य अयमेव लाभः यत् अनेन वयं दूरेषु नगरेषु देशेषु वा स्थितेभ्यः स्वजनेभ्यो अल्पमूल्येन वार्तादिकं कर्तुं शक्नुमः।
   घ. शीतकयन्त्रे वस्तूनि शीतलानि तिष्ठन्ति।
   ङ. रॉकेटयाने उपविश्य जनाः चन्द्रम् अपि गन्तुं शक्नुवन्ति।
3. क. यत्र अपि **दृष्टिः** गच्छति तत्र एव **विज्ञानस्य चमत्कारं** पश्यामः।
   ख. दूरे अन्येषु **नगरेषु देशेषु** वा अपि स्थिताः जनाः **दूरभाषेण** परस्परं **वार्तालापं** कुर्वन्ति।
   ग. **सङ्गीतम्** अपि आकर्णयन्ति।
   घ. अस्य गतिः **वायुयानात्** अपि द्रुततरा अस्ति।
   ङ. चिकित्सायाः क्षेत्रे अपि वयं **विभिन्नान् चमत्कारान्** सर्वत्र पश्यामः।
4.

	पदम्		विभक्तिः	लिङ्गम्	वचनम्
क.	दृष्टिः	=	**प्रथमा**	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
ख.	दूरभाषेण	=	**तृतीया**	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**
ग.	विदेशानाम्	=	**षष्ठी**	**पुंल्लिङ्गम्**	**बहुवचनम्**
घ.	गीतानि	=	**प्रथमा, द्वितीया**	**नपुंसकलिङ्गम्**	**बहुवचनम्**
ङ.	समाचारान्	=	**द्वितीया**	**पुंल्लिङ्गम्**	**बहुवचनम्**
च.	चिकित्सायाः	=	**पञ्चमी, षष्ठी**	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**

5. क. अद्य वयं सर्वत्र विज्ञानस्य चमत्कारान् पश्यामः।
   ख. सङ्गणकयन्त्रेण तु सञ्चारक्षेत्रे क्रान्ति आनीता।
   ग. शीतकयन्त्रे खाद्यवस्तूनि चिरं सुरक्षितानि तिष्ठन्ति।
   घ. चलदूरभाषं वयं स्व साकं कुत्रापि नेतुं शक्नुमः।
   ङ. दूरदर्शनेन वयं विविधं ज्ञानं प्राप्नुमः।
   च. समाचारपत्रमपि सञ्चारस्य महत्त्वपूर्णं साधनमस्ति।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

11 पद्य पीयूषम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. कम खाने वाला ख. i. षड् + एते
   ग. iii. अव्ययम् घ. i. विशेषणम्
2. क. काकवत् चेष्टा, बकवत् ध्यानम्, श्वानवत् निद्रा, अल्पभोजी गृहत्यागी च, इत्येतानि पञ्च लक्षणानि सन्ति विद्यार्थिनः।
   ख. अभिवादनस्वभावस्थस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः च आयुर्विद्यादिकं वर्धते।
   ग. अधनस्य मित्रं न भवति।
   घ. समुद्रेषु वृष्टिः वृथा अस्ति।
3. क. **काकचेष्टाबको** ध्यानं **श्वाननिद्रा** तथैव च।
   ख. चत्वारि तस्य **वर्धन्ते आयुर्विद्यायशो** बलम्।
   ग. षडेते यत्र **वर्तन्ते तत्र देवः** सहायकृत्।
   घ. अलसस्य कुतो **विद्या अविद्यायाः कुतो धनम्**।
   ङ. वृथा **तृप्तस्य** भोजनम्।
4. क. समर्थाय दानं व्यर्थम् अस्ति।

ख. यदि भवान् सहायतां कर्तुम् इच्छति तु निर्धनस्य करोतु।
ग. अधनस्य कश्चित् मित्रं न भवति।
घ. विद्यार्थी शास्त्रेषु उक्तानां पञ्च लक्षणानाम् अनुसरणं कुर्यात्।
ङ. ईश्वरः तस्यैव सहायता करोति यः स्व सहायता स्वयं करोति।
च. वयं सत्कार्यं कुर्वन् जीवनं यापयेम।

5. क. वृष्टिः iii. **वर्षा**
ख. दिवा v. **दिवसः**
ग. मित्रम् i. **सखा**
घ. नित्यम् iv. **प्रतिदिनम्**
ङ. यशः ii. **कीर्तिः**

6. क. अस्य बालस्य **लक्षणं** तु साधु प्रतीयते।
ख. कमल! **तत्र** मा उपविश।
ग. रतिः **नित्यं** प्रातः भ्रमणाम गच्छति।
घ. एवं जलं **वृथा** मा कुरु।
ङ. ''अधुना **कुतः** आयासि,'' जनकः अपृच्छत्।

7. काकचेष्टा = क्+ा+क्+अ+च्+ए+ष्+ट्+आ
अल्पाहारी = अ+ल्+प्+आ+ह+आ+र+ई
विद्यार्थी = व्+इ+द्+य्+आ+र्+थ्+ई
चत्वारी = च्+आ+त्+व+ा+र+ई

8. च = **और** तथैव = **तभी**
पत्र = **पत्ता** तत्र = **वहाँ**
कुतौ = **कहाँ** वृक्षा = **पेड़**

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

12 एकः परिवारः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. त्रयः ख. ii. दश ग. i. सप्त
2. क. परिवारः गृहे वसति।
ख. परिवारे पञ्च सदस्याः सन्ति।
ग. कुक्कुरः द्वारे स्थित्वा गृहं रक्षति।
घ. ग्रहाः नव भवन्ति इति शास्त्रवचनम्।
ङ. माता फलानि मोदकानि च आनयति।
3. क. एतत् एकं **गृहम्** अस्ति।
ख. **पितामही** अपि **परिवारेण** सह एतस्मिन् गृहे वसति।
ग. **नव** एकः च **दश** भवन्ति। घ. मम दश **अङ्गुलयः**।
ङ. **अष्ट अष्ट** च षोडश भवन्ति। च. अधुना **पूजाकालः**।
4. क. परिवारः iii. **सदस्याः**
ख. कुक्कुरः i. **गृहरक्षा**
ग. हस्त iv. **अङ्गुलयः**
घ. रावणः v. **मुखानि**
ङ. पूजनम् ii. **फलानि**
5. क. मेरे परिवार में दस सदस्य हैं।
ख. मेरे घर में एक छोटा बगीचा भी है।
ग. मेरी दस उँगलियाँ और दो पैर हैं।
घ. दुकान से पाँच फल लाओ।
ङ. ग्रह नौ होते हैं।
6. पञ्च = **पाँच** नव = **नौ**
सप्त = **सात** षट् = **छः**
दश = **दस** षोडश = **सोलह**
7. एतत् = **एतत्** एकं गृहम् अस्ति।
अत्र = **अत्र** सरोवरः अस्ति।
गृहम् = मम **गृहम्** वृक्षस्य समीपम् अस्ति।
पञ्च = मम गृहे **पञ्च** सदस्या सन्ति।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

13 हरिणकाकौ

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. हरिणमांसम् ख. iii. पाशे
ग. ii. लगुडम् घ. i. पाशम्
2. क. वने हरिणकाकौ न्यवसताम्।
ख. श्रृगालः हरिणेन सह मैत्रीं तस्य मांसं खादितुम् अकरोत्।
ग. पाशे हरिणः अपतत् मित्रेण काकेन च कथितेन उपायेन सः मुक्तः अभवत्।
घ. क्षेत्रपतिना क्षिप्तस्य लगुडस्य तीव्रेण प्रहारेण श्रृगालः मृतः।
3. क. एकदा एकः श्रृगालः **हरिणम्** अपश्यत्।
ख. एकदा सः हरिणं **हरिते क्षेत्रे** अनयत्।
ग. सायं काकः **हरिणस्य अन्वेषणम्** अकरोत्।
घ. सः पाशम् **अपाकर्तुम्** आरभत्।
ङ. **तीव्रेण प्रहारेण** श्रृगालः तत्रैव मृतः।
4. क. निवसति iii. **रहता है**
ख. अपश्यत् v. **देखा**
ग. अनयत् ii. **ले गया**
घ. नियोजितवान् vi. **लगाया**
ङ. विलोक्य i. **देखकर**
च. उत्थाय iv. **उठकर**
5. वने = **अधिकरणकारकम्**
हरिणम् = **कर्मकारकम्**
श्रृगालः = **कर्ता कारकम्**
वेगेन = **करणकारकम्**
प्रच्छन्नस्य = **सम्बन्धः**
क्षेत्रात् = **अपादानकारकम्**
6. क. एकस्मिन् वने बहवः पशुपक्षिणः निवसन्ति स्म।
ख. हरिणकाकयोः मैत्री प्रगाढा आसीत्।
ग. एकः श्रृगालः हरिणम् अपश्यत्।
घ. दुःखितो भूय कृषकः जालम् अप्रसारयत्।
ङ. काकः पाशे बद्धं हरिणम् अपश्यत्।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

14 धेनुः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. भारतदेशे ख. iii. उभौ ग. i. इन्धनरूपेण
2. क. धेनोः महत्त्वं मानवजीवने वर्तते।
ख. भारतीयाः धेनुं आदरेण श्रद्धया च पालयन्ति तथा माता इव पूजयन्ति।
ग. वेदेषु, शास्त्रेषु, इतिहासे लोकमान्यतायां च धेनोः विषये वर्णनं प्राप्यते।
घ. धेनोः दुग्धेन निर्मितेन दधितक्रमिष्टान्नघृतमादिना सेवनेन वयं पुष्टाः भवामः।
ङ. धेनोः गोमयस्य गोमूत्रस्य च उपयोगः औषधनिर्माणे, सुगन्धवर्तिकानिर्माणे कीटनाशकद्रव्यनिर्माणे च भवति।
3. क. **भारतीय संस्कृतौ** धेनुः प्रधानः पशुः अस्ति।
ख. भारतीयाः तु एनां **माता** इव पूजयन्ति।
ग. **धेनूनां वत्साः** अस्माकं क्षेत्राणि कर्षन्ति।
घ. सा अस्माकं कृते **दुग्धं** ददाति।
ङ. धेनवः मानवानां सर्वत्र **सन्तु**।

4.

	पदम्		विभक्तिः	वचनम्	लिङ्गम्
क.	संस्कृतौ	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ख.	वेदानाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ग.	श्रद्धया	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
घ.	मानवानाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ङ.	कर्मसु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**

5. क. भारतीयाः धेनोः आदरेण श्रद्धया च पालनं **कुर्वन्ति**।

ख. भारतीयाः जनाः धेनुं माता इव **पूजयन्ति**।

ग. धेनवः स्व दुग्धादिना अस्मान् **पोषयन्ति**।

घ. जनाः एनां 'गोमाता' इति **कथयन्ति**।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

15 व्याकरणम्

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

संस्कृत सोपानम्-4

1 महात्मा गान्धिः

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. महात्मा गान्धिः   ख. ii. सर्वनाम   ग. i. थे

2. क. महात्मा गान्धि भारतस्य स्वतन्त्रतासंग्रामस्य कुशल: सेनापति: आसीत्।

ख. महात्मागान्धिन: जन्म काठियावड़ प्रान्तस्य पोरबन्दर नामके स्थाने अभवत्?

ग. गान्धिमहोदस्य मातु: नाम पुतली देवी पितु च कर्मचन्द गान्धि आसीत्।

घ. गान्धिमहोदयस्य पूर्णनाम मोहनदास कर्मचन्द्र गान्धि इति आसीत्।

ङ. गान्धिमहोदय: स्वजीवने सदैव खादी वस्त्रम् धृतवान्?

च. विदेशं गच्छन् स: प्रतिज्ञाम् अकरोत्–कदापि मदिरापानं न करिष्यामि, मांसं न भक्षयिष्यामि। परनारीं मातृवत् स्वीकरिष्यामि।

3. क. अस्माकं देशे अनेके **महापुरुषा:** अभवन्।

ख. मातु: नाम **पुतली देवी** आसीत्।

ग. कदापि **मदिरापानम्** न करिष्यामि।

घ. **आंग्लाधिकारिणा:** तं बहुवारं कारागारे अनयन्।

ङ. अस्य **महापुरुषस्य** प्रयत्नै: भारत: **स्वतन्त्र:** अभवत्।

4.

अस्माकम्	=	**मम्**	अनेक	=	**एक:**
कुशल:	=	**अकुशल:**	महापुरुषा:	=	**सामान्य पुरुषा:**
स्वतन्त्रता	=	**परतन्त्रता**	जन्म	=	**मृत्यु**
सत्य:	=	**असत्य:**	अहिंसा	=	**हिंसा**
विदेशम्	=	**स्वदेशम्**	दु:खित:	=	**सुखित:**

5.

महापुरुषेषु	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**बहुवचनम्**
पितु:	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**
मातु:	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
उच्चशिक्षायै	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
भारतमातु	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
महापुरुषस्य	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**
वैदेशिकानाम्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**बहुवचनम्**

6. क. अस्य जन्म कठियावाड प्रान्तस्य पोरबन्दर नामके स्थाने अभवत्।

ख. गान्धिमहोदय: स्वजीवने सदैव खादीवस्त्रम् धृतवान्।

ग. उच्चशिक्षायै विदेशं गच्छन् स: प्रतिज्ञाम् अकरोत्।

घ. कदापि मदिरापानं न करिष्यामि।

ङ. मासं न भक्षयिष्यामि।

च. परनारीम् मातृवत् स्वीकरिष्यामि।

छ. अमानवीयान् व्यवहारान् दृष्ट्वा गान्धिन: मन: अत्यन्त: दुखित: अभवत्।

7. क. अस्माकं देशे अनेके महापुरुषा अभवन्।

ख. स: विश्वस्य वंदनेषु महापुरुषेषु अग्रगण्य: आसीत्।

ग. महात्मा गान्धि मातृपितृभक्त: आसीत्।

घ. कदापि मदिरापानं न करिष्यामि।

ङ. अस्य महापुरुषस्य प्रयत्नै: भारत: स्वतंत्र: अभवत्

8.

क.	अस्माकम्	=	**अस्माकं** देशे अनेके देशभक्ता: अभवन्।
ख.	आसीत्	=	पुरा एक: काक: **आसीत्।**
ग.	मातु:	=	गान्धि महोदस्य **मातु:**नाम पुतली देवी आसीत्।
घ.	पितु:	=	अस्य **पितु:** नाम कर्मचन्द्र गान्धि आसीत्।
ङ.	सदैव	=	**सदैव** सत्यम् वद।
च.	करिष्यामि	=	अहम् कदापि मदिरापानं न **करिष्यामि।**
छ.	सत्यनिष्ठ:	=	महात्मा गान्धि सत्यनिष्ठ: अहिंसाव्रती च आसीत्।

क्रियाकलाप:

विद्यार्थी स्वयं करें।

2 सङ्घे शक्तिः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. पुत्रा:   ख. iii. नपुंसकलिङ्गम्   ग. ii. अनीयर्

2. क. ग्रामस्थस्य पुरुषस्य चत्वार: पुत्रा: कलहं कुर्वन्ति स्म।

ख. स्व पुत्रान् प्रतिदिनं कलहं कुर्वन् दृष्ट्वा स: पुरुष: दु:खित: आसीत्।

ग. पुरुष: चत्वारि काष्ठानि एकत्रितानि कृत्वा क्रमश: सर्वान् पुत्रान् त्रोटितुम् आदिशत्।

घ. सङ्घे शक्ति: कलौयुगे इति लिखितम् गीताशास्त्रे।

ङ. असङ्घठिते भूते सति वृषभा: सिंहस्य भोजनम् अभवन्।

च. परस्परं कदापि कलहं न करणीयम्।

3. क. **सङ्घे** शक्ति: भवति।

ख. ते सर्वदा **परस्परं कलहं** कुर्वन्ति स्म।

ग. स वने गत्वा **वृक्षात्** चत्वारि काष्ठानि आनयत्।

घ. क्षणमेकं ते सरलतया तानि **अत्रोटयन्।**

ङ. अत: **असङ्घठिताया:** इदं फलं जातम्।

4. क. प्रस्तौमि   ख. आनयत्

ग. त्रोटितुम्, अभवत्   घ. अवगतम्, करिष्याम:

ङ. कृता, अचिन्तयत्

5. क. अद्य अहं युष्मान् एकां कथां श्रावयिष्यामि।

ख. एकैकं काष्ठं ते सरलतया अत्रोटयन्।

ग. एकत्रितानि काष्ठानि कोऽपि पुत्र: त्रोटितुं न अशक्नोत्।

घ. चत्वारोऽपि वृषभा: पृथक् पृथक् स्थातुम् आरब्धवन्त:।

ङ. गीताशास्त्रे लिखितमस्ति–एकतायां शक्ति: भवति।

च. मिलित्वा कार्यं करणेन कार्यं शीघ्रं सरलतापूर्वकं च भूयते।

6. क. भक्तौ **शक्ति:** भवति।

ख. सदा **परस्परं** स्नेहेन तिष्ठत।

ग. कदापि **कलहं** न करणीयम्।

घ. कृषक: **लगुडं** नीत्वा वेगेन अधावत्।

ङ. **किञ्चित्** मिष्टान्नं मह्यम् अपि देहि।

च. सिंहस्य कुटिलतया वृषभाणां मैत्री **छिन्ना** अभवत्।

क्रियाकलाप:

विद्यार्थी स्वयं करें।

3 ज्ञानं चेतनायाम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. अधिकरण–एकवचनम्   ख. i. भू   ग. iii. न

2. क. आचार्य: ज्ञानस्य विषये पाठयति।

ख. अयं श्रेष्ठ:, अयं न, येन तत्वेन च हानिलाभयो: ज्ञानम्, अयं मम अपरस्य वा, किं हितं किं च अहितम् इति ज्ञातुं समर्थो भवति तदेव ज्ञानम् अभिज्ञायते।

ग. चेतनां विना ज्ञानस्य विकासं न भवितुम् अर्हति।

घ. मातापिता आचार्यश्चेति त्रिदेवा:।

3. क. तत् ज्ञानं **चेतनायां** निहितम्।

ख. **शुद्धचेतना** एव शुद्धज्ञानं भवति।

ग. **ज्ञानस्योपार्जनाय** गुरो: कृपाया: आवश्यकता भवति।

घ. अस्माकं **त्रिदेवा** एव सम्माननीया: सन्ति।

ङ. अस्माभि: एतेषाम् **आज्ञा सर्वदा** पालनीया।

4.

क.	कक्षायां सर्वे छात्रा: न आसन्।	**सर्वे**
ख.	अद्य अहं साहित्यविषये पाठयिष्यामि।	**अहं**
ग.	स एव गुरु: य: अन्धकारात् प्रकाशं प्रति नयति।	**स, य:**
घ.	गुरु: अस्मत् कृते ईश्वरसदृश: भवति।	**अस्मत्**
ङ.	एतेषाम् आज्ञा सर्वदा पालनीया।	**एतेषाम्**

5. क. गुरो: कृपां विना अस्माकम् अज्ञानान्धकारं दूरं न भवितुं शक्यते।

ख. चेतनाशून्य: मनुष्य: मृतवत् अस्ति।

ग. सर्वे छात्राः सावधानतया शृण्वन्तु।
घ. मातापितागुरुश्च आदरणीयाः भवन्ति।
ङ. शुद्धचेतना एव शुद्धं ज्ञानं भवति।

6.

	पदम्		लिङ्गम्	विभक्तिः	वचनम्
क.	कक्षायाम्	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
ख.	हानिः	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
ग.	ईश्वरेण	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**तृतीया**	**एकवचनम्**
घ.	अस्मान्	=	**उभयलिङ्गम्**	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
ङ.	अन्धकारात्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
च.	आज्ञायाः	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**पञ्चमी, षष्ठी**	**एकवचनम्**

7. क. वैभवः सर्वेषु छात्रेषु **श्रेष्ठः** अस्ति।
ख. प्रथमम् ईश्वरेण **चेतना** एव प्रदत्ता।
ग. धनस्य **उपार्जनाय** कदापि अधर्ममार्गं न अनुसरणीयम्।
घ. मातापिता आचार्यश्च **सम्माननीयाः** सन्ति।
ङ. नृपस्य **आज्ञा** अस्ति यत् कोऽपि नगरात् बहिः न गच्छेत्।
च. वर्तमाने तु यः शक्तिधनाभ्यां **समर्थः** स एव नेता भवति।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

4 कलहस्य परिणामः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. पशवः ख. ii. अजे ग. i. सङ्घर्षः
2. क. कृषकः स्व पशून् तृणादिकं चारयितुं नयति स्म।
ख. परस्परम् ईर्ष्यायाः कारणेन अजयोः कलहः भवति स्म।
ग. एकस्य वृक्षस्य पतनेन सेतोः निर्माणम् अभवत्।
घ. वेदनया उभे अजे अरोदताम्।
ङ. कलहस्य परिणामः दुःखदः भवति।
3. क. तेषु पशुषु **द्वे अजे** अपि आस्ताम्।
ख. सा नदी ग्रामं **द्विभागयोः** विभजति स्म।
ग. उभे अजे **सेतोः मध्ये** स्थिते अभवताम्।
घ. क्रमेण तयोः **सङ्घर्षः** अभवत्।
ङ. **कलहस्य** परिणामः दुःखदः भवति।

4.

क.	निवसति स्म	=	**लङ् लकारः**	**एकवचनम्**
ख.	नेष्यति	=	**लृट् लकारः**	**एकवचनम्**
ग.	अवहत्	=	**लङ् लकारः**	**एकवचनम्**
घ.	गच्छति	=	**लट् लकारः**	**एकवचनम्**
ङ.	कुर्यात्	=	**विधिलिङ् लकारः**	**एकवचनम्**

5.

सर्वदा	=	**सदा**	वृक्षः	=	**तरुः**
चरणः	=	**पादः**	वेदना	=	**पीडा**
पूर्वम्	=	**प्राक्**	नदी	=	**सरित्**
कलहः	=	**विवादः**	कृषकः	=	**हलधरः**
कालः	=	**समयः**	स्तुतिः	=	**प्रशंसा**

6. क. कृषकस्य पार्श्वे **केचन** पशवः आसन्।
ख. **प्रायः** तयोः अजयोः कलहः भवति स्म।
ग. तयोः **परस्परं** लेशमात्रमपि स्नेहः नासीत्।
घ. ईर्ष्यायाः **परिणामः** सदा दुःखदायकः भवति।
ङ. सहसा द्वितीया अजा अपि तत्र **आगता** आसीत्।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

5 चतुरः काकः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. काकदम्पती ख. ii. सर्पः ग. i. स्वर्णस्य
2. क. काकदम्पती वटवृक्षस्य शाखायाम् अवसताम्।
ख. तस्यैव वृक्षमूले स्थितेन सर्पेन तयोः काकदम्पत्योः शावकाः भक्षिताः आसन् अतः तौ दुःखितौ आस्ताम्।
ग. नद्यां स्नानाय एकः राजपुत्रः आगच्छत्।
घ. काकेन राजपुत्रस्य स्वर्णहारं सर्पस्य बिलस्य उपरि क्षेपणस्य वृत्तान्तं सैनिकाः तम् अकथयन्।
ङ. कठिनमपि कार्यं बुद्धिकौशलेन सम्भवम्।
3. क. **एकस्मिन्** वने **एकः वटवृक्षः** आसीत्।
ख. तस्य वृक्षस्य **शाखायां** स्व शावकैः सह **काकदम्पती** अवसताम्।
ग. तदैव तौ मूले **सर्पम्** अपश्यताम्।
घ. सः स्वकीयं **स्वर्णहारं वस्त्राणाम्** उपरि अस्थापयत्।
4. क. वन में नाना प्रकार के वृक्ष थे।
ख. उस वृक्ष की जड़ में एक साँप भी रहता था।
ग. कौए ने साँप के विनाश के लिए उपाय सोचा।
घ. राजपुत्र के सैनिकों ने यह सब देखा।
ङ. उसके बाद वे दोनों सुख से रहे।

5.

क.	बहिरागच्छत्	=	**बहिः + आगच्छत्**
ख.	एवमचिन्तयत्	=	**एवम् + अचिन्तयत्**
ग.	वस्त्राणामुपरि	=	**वस्त्राणाम् + उपरि**
घ.	तदैव	=	**तदा + एव**
ङ.	किमपि	=	**किम् + अपि**
च.	अतीव	=	**अति + इव**

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

6 स्वामिविवेकानन्दः

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. कर्तृ ख. iii. एकस्याम् ग. iii. लङ्लकारस्य
2. क. 1863 तमे वर्षे स्वामिविवेकानन्दस्य जन्म अभवत्।
ख. रामकृष्णपरमहंसमहोदयस्य स्पर्शमधिगत्य एषः समाधिस्थः अभवत्।
ग. अस्य भाषणम् आकर्ण्य श्रोतारः अस्य प्रशंसितारः अभवन्।
घ. सः लोकसेवायै 'रामकृष्ण मिशन' इति संस्थायाः स्थापनाम् अकरोत्।
3. क. बाल्यकालादेव सः **अति मेधावी** आसीत्।
ख. बाल्यकाले विवेकानन्दस्य नाम **नरेन्द्रनाथः** आसीत्।
ग. स्वामिविवेकानन्दः स्व **भाषणम्** आरभत्।
घ. स्वामिविवेकानन्दः लोकसेवायै **'रामकृष्णमिशन' इति संस्थायाः** स्थापनामकरोत्।
4. क. <u>सः</u> निखिले विश्वे विख्यातः अस्ति।
ख. <u>तस्य</u> महापुरुषस्य जन्म 1863 तमे वर्षे अभवत्।
ग. <u>तस्मात्</u> क्षणादेव <u>सः</u> <u>तं</u> स्व गुरुम् अमन्यत्।
घ. <u>तस्मिन्</u> सम्मेलने <u>सः</u> भारतस्य प्रतिनिधित्वम् अकरोत्।

5.

क.	बाल्यकालादेव	=	**बाल्यकालात् + एव**
ख.	स्नातकोऽभवत्	=	**स्नातकः + अभवत्**
ग.	परलोकमगच्छत्	=	**परलोकम् + अगच्छत्**
घ.	स्पर्शमधिगत्य	=	**स्पर्शम् + अधिगत्य**
ङ.	समाधिस्थोऽभवत्	=	**समाधिस्थः + अभवत्**
च.	क्षणादेव	=	**क्षणात् + एव**

6.

क.	निर्माणम्	=	**न् + इ + र् + म् + आ + ण् + अ + म्**
ख.	संस्कृतिः	=	**स् + अं + स् + क् + ऋ + त् + इ + ः**
ग.	रुचिः	=	**र् + उ + च् + इ + ः**
घ.	श्रोता	=	**श् + र् + ओ + त् + आ**
ङ.	प्रतिनिधिः	=	**प् + र् + अ + त् + इ + न् + इ + ध् + इ + ः**

7. क. सः न केवलं भारते **अपितु** सम्पूर्णे विश्वे विख्यातः अस्ति।
ख. बाल्याकालात् एव अर्जुनस्य **रुचिः** धनुर्विद्यायाम् आसीत्।

ग. स: परमात्मन: साक्षात्काराय महत् **तप:** अकरोत्।
घ. अस्या: कथाया: **सार:** स्व शब्देषु लिखत।
ङ. तदनन्तरं नरेन्द्रनाथ: तं **स्व** गुरु: अमन्यत।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

7 सुभाषितानि

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. तृतीया ख. ii. विधिलिङ्
ग. iii. सत्सङ्गति: घ. i. ह्

2. क. सर्प: वरम्।
ख. सज्जन: शान्तिम् आप्नुयात्।
ग. धर्म: निधनेऽपि अनुयाति।
घ. नीतिज्ञा: निन्दन्तु प्रशंसां वा कुर्वन्तु, धनम् आगच्छेत् पूर्णत: समाप्तं वा भवेत्, मरणम् अद्यैव भवेत् अन्यत् कालान्तरं वा परं धीरपुरुषा: सर्वासु स्थितिषु सममेव तिष्ठन्ति ते न्यायात् पथ: न प्रविचलन्ति; एतादृशी भवति धीराणां स्थिति:।
ङ. सत्सङ्गति: जनानां बुद्धे: जडतां हरति, वाण्यां सत्यतां स्थापयति, माने उन्नतिं करोति पापाद् च निवारयति चेत: प्रसादयित्वा कीर्तिं दिक्षु प्रसारयति।

3. क. सर्प: कालेन **दशति**।
ख. मुक्त: अन्यान् **विमोचयेत्**।
ग. उत्तमा: जना: प्रारभ्य मध्ये न **विरमन्ति**।
घ. लक्ष्मी यथेष्टं **समाविशतु गच्छतु** वा।
ङ. सत्सङ्गति: **कीर्तिं** दिक्षु तनोति।

4.

दुर्जन:	=	**सज्जन:**	शान्ति:	=	**अशान्ति:**
बद्ध:	=	**मुक्त:**	धर्म:	=	**अधर्म:**
निन्दा	=	**प्रशंसा**	न्याय:	=	**अन्याय:**
यश:	=	**अपयश:**	सत्सङ्गति:	=	**कुसङ्गति:**

5. क. अध्ययनशीला एव जीवने सफलतां प्राप्नुवन्ति।
ख. विद्याया: परं नान्यत् अपरं धनम्।
ग. दुर्जन: पदे पदे दशति।
घ. सतां सङ्ग: कल्याणकरं भवति।
ङ. सत्सङ्गति: जीवनं सम्यक् दिशि नयति।
च. धीरपुरुषा: स्व पथ: न प्रविचलन्ति।

6. क. विहाय, भवेत ख. भवति ग. आस्ताम्
घ. अजीवन् ङ. पठनाय, आगत:। च. भवति

7. क. अयं वृक्ष: तु अति **उच्च:** अस्ति।
ख. वृक्षस्य **अध:** पथिक: शेते।
ग. अधुना त्वं **कुत:** आयासि?
घ. अयं प्रश्न: **तु** विचारणीय: अस्ति।
ङ. सत्सङ्गति: मानं यश: **च** उन्नयति।
च. **पुन:** पुन: निवारितेऽपि वृषभ: क्षेत्रे प्राविशत्।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

8 धनस्य महत्त्वम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. धनं विना ख. i. सुखसागरम् ग. iii. कुलीना:

2. क. संसारे सर्वश्रेष्ठं वस्तु धनम् इति।
ख. धनं विना न्यायालये न्यायो न भवितुं शक्यते अपरञ्च विद्यार्थी विद्योपार्जनं न कर्तुं शक्यते।
ग. धनहीनस्य मित्राणि न भवति।
घ. निर्धनता समस्तानाम् आपदानां गृहम्।
ङ. **भावार्थ–**जिसके पास धन है, वह मनुष्य कुलीन है, विद्वान है। वह वेदों का ज्ञाता और गुणी है। वही वक्ता और वही दर्शनीय है। सभी गुण धन पर ही आश्रित होते हैं।

3. क. धनं विना विद्यार्थी **विद्योपार्जनं** कर्तुं न शक्यते।
ख. तस्य स्वजना: अपि **परकीया:** भवन्ति।
ग. धनं विना **शीलशशिन: कान्तिरपि** परिम्लायते।
घ. निर्धनता समस्तानाम् **आपदानां** गृहम् अस्ति।
ङ. संसारे सर्वे गुणा: **काञ्चनमाश्रयन्ति**।

4.

	शब्द:		**अर्थ:**
क.	प्रतिभाति	v.	**प्रतीत होती है**
ख.	आपदा:	iv.	**आपदाएँ**
ग.	न्यायालये	iii.	**कचहरी में**
घ.	विद्योपार्जनम्	i.	**ज्ञान अर्जित करना**
ङ.	धनोपार्जनम्	ii.	**धनसंग्रह**

5.

विद्या	=	**ज्ञानम्**	पार्श्वे	=	**समीपे**
संसारे	=	**लोके**	अभिलाषा	=	**इच्छा**
आपदानाम्	=	**विपत्तीनाम्**	धनम्	=	**वित्तम्**
जन:	=	**नर:**	गृहम्	=	**सदनम्**

6. क. सिद्ध् ख. प्रति + भा
ग. सम् + भू घ. कृ

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

9 मूर्खो गर्दभ:

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. अनेक: ख. ii. क्त्वा ग. ii. मम

2. क. मित्रे गर्दभश्रृगालौ आस्ताम्।
ख. रात्रौ इतस्तत: परिभ्रमन् गर्दभ: स्व कालं यापयति स्म।
ग. गर्दभ: प्रसन्नो भूत्वा श्रृगालम् अकथयत् यत् मित्र! शोभना रात्रि अस्ति, सुन्दर: समय: अस्ति शशी च गगने राजते, अहमेकं गीतं गास्यामि, सावधानतया श्रृणु कथय, केन स्वरेण गायानि इति।
घ. गर्दर्भस्य अभिप्रायं ज्ञात्वा श्रृगाल: अचिन्तयत् गर्दभोऽयं मूर्ख:, अयं दण्डम् अर्हति। अत: एनं परिहरामि।
ङ. कृषकेन लगुडेन भृशं ताडनेन गर्दभ: मृतप्राय: अभवत्।
च. मूर्खताया: परिणाम: सदा हानिकारक: भवति।

3. क. कस्मिंश्चिद् **ग्रामे** एक: **रजक:** आसीत्।
ख. तयो: मित्रता परस्परं **प्रगाढासीत्**।
ग. गर्दभ: यथारुचि: **कर्कटिका:** अखादत्।
घ. गर्दभ: **गातुम्** आरब्धवान्।
ङ तव **मूर्खताया:** एव अयं परिणाम:।

4. क. गर्दभाय कर्कटिका: अति रोचन्ते स्म।
ख. स: जनकेन सह जयपुरं गमिष्यति।
ग. त्वं रामायणम् अवश्यं पठ।
घ. वयं सर्वे गीतं गास्याम:।
ङ. स: मित्रेण सह वार्तालापं करोति।

5. क. वसति स्म ख. आसीत्
ग. वहति स्म घ. गत्वा, भुक्ता:

6. क. गर्दभ: **मूर्ख:** आसीत्।
ख. तौ स्नेहेन **परस्परं** वार्तालापं कुरुत: स्म।
ग. याचक: भिक्षायै **इतस्तत:** भ्रमति।
घ. एवं गर्दभश्रृगालयो: प्रगाढा **मित्रता** अभवत्।
ङ. तयो: मध्ये **प्रगाढ:** स्नेह: आसीत्।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

10 ईश्वरचन्द्र विद्यासागरः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. दृश् ख. iii. अभवत् ग. ii. तस्मै
2. क. ईश्वरचन्द्रस्य विद्यासागरस्य जन्म बङ्गप्रान्तस्य मेदिनीपुर जनपदस्य वीरसिंहग्रामे अभवत्।
   ख. विद्यासागरः मार्गे किलोमीटर इति सूचकं पाषाणखण्डं दृष्ट्वा आङ्लाङ्कानां ज्ञानम् अकरोत्।
   ग. अतियोग्यताकारणेन ईश्वरचन्द्रः 'विद्यासागर' इति नाम्ना ख्यातः अभवत्।
   घ. एकादशे वर्षात्मके वयसि सः कुमार सम्भवरघुवंशादिकानां साहित्यिकग्रन्थानां व्याख्यां कर्तुं समर्थः आसीत्।
   ङ. विद्यासागरः सञ्चितेन धनेन अपरेषां साहाय्यं करोति स्म।
3. क. सः **1820** तमे वर्षे जन्म गृहीतवान्।
   ख. सः **बाल्यावस्थायां** पित्रा सह **कोलकातानगरं** गच्छति स्म।
   ग. सः कक्षायां **प्रथमं स्थानं** लब्धवान्।
   घ. अद्यतनात् आरभ्य अहमेव भोजनं **पक्ष्यामि**।
4. जन्म = **मृत्युः** शीतलम् = **उष्णम्**
   ज्ञानम् = **अज्ञानम्** प्रथमम् = **अन्तिमम्**
   समर्थः = **असमर्थः** सेवकः = **स्वामि**
5. प्राप्य = **ल्यप्** कर्तुम् = **तुमुन्**
   धृत्वा = **क्त्वा** सञ्चितम् = **क्त**
   दर्शनीयम् = **अनीयर्** लब्धवान् = **शानच्**
6.

	पदम्		विभक्तिः	वचनम्	लिङ्गम्
क.	उपाधिम्	=	**द्वितीया**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ख.	पित्रा	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
ग.	ग्रन्थान्	=	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
घ.	अम्बे!	=	**सम्बोधनम्**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ङ.	पुस्तकानाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**

7. क. ग्रामप्रधानः धनधान्यैः **सम्पन्नः** अस्ति।
   ख. विद्यासागर महोदयः बाल्यात् एव **श्रमनिष्ठः** आसीत्।
   ग. स्व सत्कार्यैः धनिकः सम्पूर्णे नगरे **ख्यातः** अभवत्।
   घ. किं त्वम् अस्य श्लोकस्य व्याख्यां कर्तुं **समर्थः** असि?
   ङ. स **एकाकी** एव वनं गमनाय हठं करोति।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

11 सुदामा श्रीकृष्णश्च

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. सम्बन्धभावस्य ख. i. द्विवचनस्य ग. iii. अव्ययम्
2. क. सुदामा कृष्णस्य सखा।
   ख. सुदाम्नः भार्या तं श्रीकृष्णस्य समीपं सहायतायै धनम् आनेतुं गन्तुं कथयति।
   ग. श्रीकृष्णः प्रेम्णा तण्डुलान् अभक्षयत्।
   घ. स्व गृहम् आगत्य सुदामा अति प्रसन्नः अतः अभवत् यतोहि तस्य गृहं धनधान्येन पूर्णं वैभवसम्पन्नं च जातम् आसीत्।
3. क. श्रीकृष्णः साम्प्रतं **द्वारिकायां** राज्यं करोति।
   ख. सः भवते **यथेष्टं धनं** दास्यति।
   ग. सः तं **कुशलक्षेमम्** अपृच्छत्।
   घ. **सङ्कोचवशात्** सुदाम्ना न किमपि याचितम्।
   ङ. इदं सर्वं **तस्यैव प्रसादम्** इति मत्वा अति **प्रसन्नौ** जातः।
4. क. श्रीकृष्ण द्वारिका में राज्य करते थे।
   ख. वे उपहारस्वरूप चावल लेकर द्वारिका गए।
   ग. मित्र को सिंहासन पर बिठाकर उनका चरण प्रक्षालन किया।
   घ. अपने घर को देखकर सुदामा आश्चर्यचकित हुए।
   ङ. संकोचवश कुछ भी न माँगकर सुदामा घर लौट आए।
5. क. ज्ञात्वा, आनेतुम् ख. दृष्ट्वा, भूय, प्रसार्य
   ग. समर्पयितुम्, आदाय घ. उपवेश्य, नीत्वा
   ङ. मत्वा, प्रणम्य
6. क. सुदाम्नः भार्या दरिद्रतायाः कारणेन अति **पीडिता** आसीत्।
   ख. सुदामा भगवतः श्रीकृष्णस्य **सखा** आसीत्।
   ग. **साम्प्रतं** तु एतत् ज्ञापयतु यत् भ्रातृजायया मह्यं किम् उपहारं प्रदत्तम्?
   घ. भगवान श्रीकृष्णः तान् तणुलान् खादित्वा अति **आनन्दितः** अभवत्।
   ङ. सुदामा श्रीकृष्णस्य प्रसादं **मत्वा** अति प्रसन्नो अभवत्।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

12 पञ्चामृतम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. बहुवचनस्य ख. iii. सुनना चाहिए
   ग. i. परोपकाराय
2. क. प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे जन्तवः तुष्यन्ति।
   ख. सत्यं प्रियं ब्रूयात्।
   ग. चन्द्रचन्दनयोः मध्ये शीतला साधु सङ्गति अस्ति।
   घ. परोपकाराय वृक्षाः फलन्ति, नद्यः वहन्ति, गावः दुहन्ति, इदं शरीरमपि परोपकाराय एव अस्ति।
   ङ. विपत्तौ धैर्यम्, सम्पन्नतायां क्षमावान्, सभायां वाक्चतुरः, युद्धे वीरत्वम्, यशः शास्त्रादिषु रुचिः इति महात्मनां प्रकृति सिद्धम्।
3. क. तस्मात् तदेव **वक्तव्यं वचने का** दरिद्रता।
   ख. प्रियं च **नानृतं ब्रूयात्** एषः **धर्मः सनातनः**।
   ग. चन्दनं **शीतलं लोके** चन्दनादपि **चन्द्रमा**।
   घ. विपदि **धैर्यमथाभ्युदये क्षमा** सदसि **वाक्पटुता युधि** विक्रमः।
4. क. भाषते ख. ब्रूयात् ग. फलन्ति, वहन्ति
   घ. अनुसरेयुः ङ. कुर्याम
5. क. वयं सदा मधुराणि वचनानि वदेम।
   ख. सत्यं प्रियं च वक्ता सर्वेषां स्नेहपात्रं भवति।
   ग. चन्दनचन्द्रश्चः उभौ अपि शीतलतायाः परिचायकौ स्तः।
   घ. वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति।
   ङ. अप्रियं सत्यं न वक्तव्यम्।
6. क. मधुरेषु वचनेषु **दरिद्रता** न स्यात्।
   ख. मरणादनन्तरं **धर्मः** एव याति परलोके।
   ग. सदा सज्जनानां **सङ्गतिः** कुरुत।
   घ. इदं **शरीरम्** अपि परोपकाराय एव अस्ति।
   ङ. **क्षमा** वीरेभ्यः शोभते।
   च. विपत्तौ सदा **धैर्यं** स्थापयत।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

13 विद्यालयस्य वार्षिकोत्सवः

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. मध्यमपुरुषस्य ख. iii. सह + एव ग. ii. तुमुन्
2. क. बालयोः मध्ये विद्यालयस्य वार्षिकोत्सवस्य विषये वार्ता भवति।
   ख. वार्षिकोत्सवे विविधाः स्पर्धाः सांस्कृतिकाः कार्यक्रमाश्च भविष्यन्ति।
   ग. वार्षिकोत्सवे प्रतिभाप्रदर्शनार्थम् अवसरः भविष्यति।
   घ. शिल्पा वार्षिकोत्सवकार्यक्रमे एकं गीतं गास्यति।
   ङ. यः प्रत्येकस्यां कक्षायां सर्वाधिकान् अङ्कान् प्राप्तवान् स पुरस्कृतः भविष्यति।
   च. वार्षिकोत्सवकार्यक्रमे मुख्यातिथिः शिक्षासचिव महोदयः अस्ति।

3. क. अस्माकं विद्यालये कदा **वार्षिकोत्सवः** भविष्यति?
ख. अहं **स्पर्धायां** भागं न ग्रहीष्यामि।
ग. अहं **मूकाभिनयं** करिष्यामि।
घ. स एव **विजेतृभ्यः छात्रेभ्यः** पुरस्कारं प्रदास्यति।
ङ. चलत, **कक्षाध्यापिका महोदया सम्भवतः** अस्माकं **प्रतीक्षायां** स्यात्।

4. क. भो: अजय! त्वम् अद्य विद्यालयं न गमिष्यसि?
ख. गमिष्यामि, परं विलम्बेन।
ग. अहं सङ्गीतप्रतियोगितायां भागं नयामि।
घ. कार्यक्रमानन्तरं सर्वेभ्यः फलमिष्टान्नस्य वितरणं भविष्यति।
ङ. कार्यक्रमे स्वागतभाषणं विद्यालयस्य प्राचार्य महोदयः करिष्यति।
च. उत्सवे प्रदर्शिताः समेऽपि कार्यक्रमाः मनोरञ्जकाः शिक्षाप्रदाश्च आसन्।

5. क. ज्ञा   ख. आगम्   ग. कृ
घ. चल्   ङ. दा, यच्छ्

6.

	क्रियापदम्	पुरुषः	वचनम्	लकारः
क.	भवेः	**मध्यमपुरुषः**	**एकवचनम्**	**विधिलिङ् लकारः**
ख.	नम	**मध्यम पुरुषः**	**एकवचनम्**	**लोट् लकारः**
ग.	अजायन्	**प्रथम पुरुषः**	**बहुवचनम्**	**लङ् लकारः**
घ.	कुर्मः	**उत्तम पुरुषः**	**बहुवचनम्**	**लट् लकारः**
ङ.	स्यात्	**प्रथम पुरुषः**	**एकवचनम्**	**विधिलिङ् लकारः**

7. क. एतादृशः **अवसरः** पुनः न लप्स्यते।
ख. अहं तु सङ्गीतप्रतियोगितायां **भागं** नयामि।
ग. अहम् एकं देशभक्तिगीतं **गास्यामि**।
घ. होलिकायाः उत्सवः **उल्लासस्य** प्रतीकः अस्ति।
ङ. चित्रप्रतियोगितायां यया प्रथमं स्थानं प्राप्तं तस्यै लप्स्यते **पुरस्कारः**।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

14 स्वतन्त्रतादिवसः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. आङ्ग्लीयानाम् अत्याचारेण   ख. ii. 15 अगस्त, 1947 तमे वर्षे
ग. ii. त्रिवर्णीय:

2. क. अस्माकं देशः प्रायः द्विशतवर्षं यावत् आङ्ग्लीयानाम् अधीनः आसीत्।
ख. अनेकैः महापुरुषैः वीरैश्च स्व जीवनं आङ्ग्लीयानाम् अत्याचारैः मुक्त्यर्थं देशस्य च स्वतन्त्रतायै समर्पितम्।
ग. विद्यालये राष्ट्रध्वजं प्राचार्यः आरोहयति।
घ. राष्ट्रगाने भूते सति सर्वे सावधानाः तिष्ठन्ति।
ङ. वयं देशरक्षायै कटिबद्धाः भवेम।

3. क. दिवसोऽयं **स्वतन्त्रता** कथ्यते।
ख. सर्वे **राष्ट्रध्वजं** प्रणमन्ति **राष्ट्रगानं** च गायन्ति।
ग. विद्यालये विविधाः **सांस्कृतिकाः कार्यक्रमाः** भवन्ति।
घ. अन्ते प्राचार्यः **सन्देशान्** पठति।
ङ. अयम् अस्माकं **गौरवस्य** दिवसः।

4.

स्थास्यति	=	**स्था, तिष्ठ्**	कथ्यते	=	**कथ्**
तिष्ठेम	=	**तिष्ठ्**	नेष्यामः	=	**नी, नय्**
आसन्	=	**अस्**	घ्रास्यति	=	**घ्रा, जिघ्र्**
भवेम	=	**भू**	समर्पयन्ति	=	**समर्पय्**

5. क. षष्ठी विभक्तिः पुंल्लिङ्गम्
ख. प्रथमा विभक्तिः पुंल्लिङ्गम्
ग. द्वितीया विभक्तिः नपुंसकलिङ्गम्
घ. द्वितीया विभक्तिः नपुंसकलिङ्गम्
ङ. द्वितीया विभक्तिः नपुंसकलिङ्गम्
च. चतुर्थी विभक्तिः स्त्रीलिङ्गम्

6. क. स्वतन्त्रता = **स् + व् + अ + त् + अ + न् + त् + र् + अ + त् + आ**
ख. भारतीयाः = **भ् + आ + र् + अ + त् + ई + य् + आ + :**
ग. प्रायः = **प् + र् + आ + य् + अः**
घ. प्राचार्यः = **प् + र् + आ + च् + आ + र् + य् + अः**
ङ. त्रिवर्णम् = **त् + र् + इ + व् + अ + र् + ण् + अ + म्**
च. दिवसः = **द् + इ + व् + अ + स् + अः**

7. क. **यावत्** त्वं न आगमिष्यसि तावत् अहम् अत्रैव प्रतीक्ष्ये।
ख. भारतदेशस्य स्वतन्त्रतायाम् अनेकानां वीराणां **महत्** योगदानम् अस्ति।
ग. सर्वे राष्ट्रध्वजं प्रणम्य राष्ट्रगानं **च** गीत्वा प्रचार्यस्य भाषणं शृण्वन्ति।
घ. दुर्जनाः सदा **स्व** हितमेव साधने तत्पराः तिष्ठन्ति।
ङ. **सर्वदा** देशरक्षायै कटिबद्धः स्थातव्यम्।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

15 मातृममता

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. सप्तमी   ख. iii. अव्ययम्   ग. i. द्विवचनम्

2. क. जनाः न्यायालयपरिसरे न्यायाधीशस्य निर्णयं श्रोतुम् सङ्कुलिताः अभवन्।
ख. न्यायालये द्वे स्त्रियौ आगते।
ग. एकस्य बालकस्य उपरि स्वाधिकाराय तयोः मध्ये विवादः आसीत्।
घ. न्यायाधीशस्य निर्णयं श्रुत्वा रमायाः स्थितिः मूर्च्छिता इव जाता आसीत्।
ङ. न्यायविदः अतः धन्यः यतोहि तेन बुद्धिपूर्वकं तयोः स्त्रियोः न्यायः कृतः।

3. क. **द्वाभ्यां रक्षकाभ्यां सह** द्वे स्त्रियौ **न्यायालये** आगते।
ख. एका स्त्री एकं **बालकम्** अङ्के निधाय **स्थिता आसीत्**।
ग. **न्यायाधीशः** तयोः वार्तां शृणोति।
घ. द्वौ अधिकारिणौ **विवादितौ** न्यायालयम् आगतवन्तौ।
ङ. लतायाः अङ्के **शतं** जीवेत् अयं मम **आशीषः**।
च. सर्वे जनाः **प्रसन्नाः** अभवन्।

4. क. पुंल्लिङ्गम्   एकवचनम्
ख. पुंल्लिङ्गम्   एकवचनम्
ग. स्त्रीलिङ्गम्   एकवचनम्
घ. नपुंसकलिङ्गम्   एकवचनम्
ङ. पुंल्लिङ्गम्   बहुवचनम्

5.

सङ्कुलिताः	=	**एकत्रित**	हस्तमुकुलितेन	=	**हाथ जोड़े हुए**
प्रतीयन्ते	=	**लगते हैं**	आसन्दिका	=	**कुर्सी**
श्रावयितुम्	=	**सुनाने के लिए**	जीवेत्	=	**जिए**

6. क. न्यायलयपरिसरे अनेके जनाः न्यायं श्रोतुम् एकत्रिताः **अभवन्**।
ख. **सहसा** एकः तेजस्वी बालकः सभायाम् उपस्थितः।
ग. नृपः ध्यानपूर्वकं तयोः वार्तां **शृणोति**।
घ. **मातृममता** सर्वोपरि भवति।
ङ. न्यायाधीशेन बुद्धिपूर्वकं न्यायं **कृतम्**।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

16 व्याकरणम्

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

संस्कृत सोपानम्-5

1 समाचारपत्रम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. अहम् + एकम् ख. i. सचित्रम् ग. iii. ही
2. क. संसारे प्रतिदिनम् नवीना: नवीना: घटना: भवन्ति इत्यर्थम् समाचारपत्रं प्रतिदिनं नवीनेन रूपेण आगच्छति।
   ख. समाचारपत्रे बालेभ्य मनोरमा: बालकथा: चित्राणि भवन्ति। क्रिडा, विज्ञानम्, चलचित्रम् राजनीतिक इत्यादय: अपि भवन्ति।
   ग. समाचारपत्रस्य हृदये जातिधर्मादीनां भेदविचार: नास्ति।
   घ. समाचारपत्रं सुखं भवतु अथवा दुखम्, कस्यपित नेतु: सम्मान: भवतु अथवा मृत्यु:, रमणीय: उत्सव: अथवा भीषण: भूकम्प: सर्वेष्वेव विषयेषु समानरूपेण व्यवहरति।
   ङ. समाचारपत्रं अस्माकं मित्रम् अस्ति।
3. क. पृथिव्याम् **असङ्ख्यासु भाषासु** मम प्रकाशनं भवति।
   ख. अहं प्रतिदिनं **नविनेन रूपेणा** गच्छामि।
   ग. मम सर्वत्र **आदरोऽस्ति**।
   घ. मयि **तात्कालिका:** समाचारा: भवन्त्येव।
   ङ. मादृशस्य **मित्रस्य** कथम् **उपयोग:** भवेत्?
   च. **देशसेवा** एव मम् **सर्वस्वम्**।
4. पत्रम् + अस्मि = **पत्रमस्ति**
   सर्वेषु + एव = **सर्वेष्वेव**
   च + अत्र = **चात्र**
   चित्राणि + अपि = **चित्राण्यपि**
   रूपेण + अहम् = **रूपेणाहम्**
   भवन्ति + एव = **भवन्त्येव**
5. क. मम गृहे प्रतिदिनं समाचारपत्रम् आगच्छति।
   ख. समाचारपत्रम् अस्मान् देशविदेशानाम् घटनाभ्य: अवगतम् करोति।
   ग. किं त्वं समाचारपत्राय किञ्चित् लेखम् लिखसि।
   घ. अस्मिन संसारे कोऽपि दुखितो न भवेत्।
   ङ. ज्ञानविज्ञानेन शिक्षाप्रदघट्नाञ्च पूर्णम् अहं भवतां मित्रमेव अस्मि।
   च. अयम् अस्माकं सामान्यज्ञाने वर्धते।
6. सचित्रम् = चित्रों के साथ मादृशस्य = मेरे जैसे
   रमणीयम् = सुन्दर मयि = मुझमें
   सर्वस्वम् = सब कुछ (सर्वस्व) प्रशस्त: = सुखद
   तात्कालिका: = उसी समय चलचित्रम् = सिनेमा
7. क. भावन्ति ख. कर्त्तव्यम् ग. अस्ति
   घ. भवन्ति ङ. आगच्छामि च. व्यवहरामि
8. क. सचित्रम् = बाल कथाया: **सवित्रम्** वर्णनम् करोति।
   ख. भूकम्प: = **भूकम्प:** प्राकृतिकापदा: अस्ति।
   ग. प्रमुखम् = संस्कृत भाषा अन्यभाषासु प्रमुखम् अस्ति।
   घ. हिताय = समाचार पत्रम् देशस्य **हिताय** भवति।
   ङ. नवीनेन = समाचार पत्रम् प्रतिदिनं **नविनेन** रूपेण आगच्छति।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

2 सदाचारः

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. विधिलिङ्लकारस्य ख. iii. तृतीया विभक्ति:
   ग. ii. आत्मनेपदी घ. i. सर्वेषाम्
2. क. अलस: न भाव्यम्, असत्यं न वक्तव्यम्, पापं न आचरणीयम् इति त्रय: गुणा: सदाचारार्थम् अवधारणीया:।
   ख. मूर्खै: सह मित्रतां न कुर्यात्।
   ग. मानव: प्रयत्नेन ब्रह्मचर्यं पालयेत्।
   घ. विद्याधनोपार्जने च सदा प्रयत्नशील: भवेत्।
   ङ. शिष्टाचारेण सुखं लभते।
3. क. नर: कदापि **असत्यं** न वदेत्।
   ख. सामर्थ्यानुसारं **निर्धनेभ्य:** दानं यच्छेत्।
   ग. समयानुसारं **हितं मधुरं** वदेत्।
   घ. अस्माभि: उक्तानां **नियमानां** पालने तत्पर: भवितव्यम्।
   ङ. वयोवृद्धा: यथा यथा आचरन्ति **बालोऽपि** तथैव आचरन्ति।
4. क. मनुष्य को कभी भी असत्य नहीं बोलना चाहिए।
   ख. मूर्खों के साथ कभी भी मित्रता नहीं करनी चाहिए।
   ग. कभी भी किसी को भी अपशब्द नहीं बोलने चाहिए।
   घ. शिष्टाचार से मनुष्य सभी के प्रिय होते हैं।
   ङ. प्रयत्नपूर्वक ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।
5. **बुद्धिमान्** जन: **मधुरान्** शब्दान्
   लघुभि: छात्रै: **मेधाविन:** जना:
   पराक्रमी भीम: **उन्नत:** वृक्ष:
   दुष्ट: मार्जार: **निर्मलं** जलम्
6. क. असत्याचरणं महत् पापमस्ति।
   ख. सदा ईश्वरं भजनीयं मधुरं च वक्तव्यम्।
   ग. ज्ञानार्जने मनुष्य: सदा प्रयत्नशील: तिष्ठेत।
   घ. यथा वृद्धा: आचरन्ति तथैव लघव: अपि कुर्वन्ति।
   ङ. सदा निर्धनेभ्य: दु:खितेभ्यश्च दानं दद्यात्।
   च. वयं सर्वै: सह शिष्टाचरणं कुर्याम।
7. क. पितृणम् = **पितृ + ऋणम्**
   ख. लतेव = **लता + एव**
   ग. सप्तर्षि: = **सप्त + ऋषि:**
   घ. अन्वभवत् = **अनु + अभवत्**
   ङ. सच्चित् = **सत् + चित्**
   च. असत्याचरणम् = **असत्य + आचरणम्**
8. क. अलस: = **आलसी**
   रमेश: कदापि समयेन कार्यं न करोति, स: बहु **अलस:** अस्ति।
   ख. सभ्यतया = **सभ्यता से**
   प्रज्ञा सदा **सभ्यतया** आचरति।
   ग. अपशब्दम् = **अपशब्द**
   कदापि कमपि **अपशब्दं** न वक्तव्यम्।
   घ. प्राणान् = **प्राणों को**
   महावीर: कर्ण: अनेकानां जनानां **प्राणान्** अरक्षत्।
   ङ. सत्कारम् = **सत्कार**
   गृहे आगतानाम् अतिथीनां सदा **सत्कारं** कुरुत।
   च. आज्ञाम् = **आज्ञा**
   स्व गुरो: **आज्ञां** नीत्वा रति: गृहं प्रत्यागता।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

3 परिश्रमैव समृद्धिः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. भगवते ख. ii. क्तवतु
   ग. i. लक्ष्मी घ. ii. समृद्धिश्च
2. क. भगवान् हरि: स्वर्गनरको निर्मापयितुम् अचिन्तयत्।
   ख. सर्वै: जनै: स्वर्गं गमनेन नरकं निष्क्रियं जातम्।

ग. यमराजः हरेः समीपं गत्वा प्रार्थयत् यत् अहं स्वाधिकारं त्यक्तुम् इच्छामि, कृपया माम् अस्मात् भारात् मोचयतु।
घ. कमला हरिः च पृथ्वीलोके अपश्यताम् यत् सर्वे जनाः स्व स्व कर्मसु निरताः सन्ति। तेषां श्रमेणैव तत्र सुखं समृद्धिः च शोभेते स्म।
ङ. कमलायाः वैभवेन मुग्धे सति पृथ्वीलोके इदं परिवर्तनम् अभवत् यत् जनाः श्रमत्यागम् अकुर्वन् येन शनैः शनैः सुखसमृद्धि विलुप्ता सदाचारश्च नष्टोऽभवत्।
च. परिश्रमः समृद्धेः मूलम् अस्ति।

3. क. तस्मात् दिवसात् **स्वर्गं** प्रतिदिनं जनाः **आगन्तुम्** आरब्धवन्तः।
ख. नरकस्य निष्क्रियतां **विलोक्य** यमराजः **चिन्ताकुलः** अभवत्।
ग. कृपया माम् **अस्मात् भारात्** मोचयतु।
घ. हरेः वचनं श्रुत्वा **यमराजः** सन्तुष्य मौनमवधारयत्।
ङ. कमला **हरिणा सह** पृथ्वीलोकमगच्छत्।
च. अथ **हरिणा अनुज्ञाता** कमला पृथ्वीलोके **व्यलसत्**।

4.

अचिन्तयत्	=	**चिन्त्**	अकरोत्	=	**कृ**
मोचयतु	=	**मुच्**	जानामि	=	**ज्ञा**
आसन्	=	**अस्**	प्राप्नुवन्ति	=	**प्राप्**
शोभेते	=	**शुभ्**	विलसति	=	**विलस्**

5.

जनाः	=	**बहुवचनम्**	नरकम्	=	**एकवचनम्**
हरेः	=	**एकवचनम्**	गुणैः	=	**बहुवचनम्**
ताभ्याम्	=	**द्विवचनम्**	तपत्यागयोः	=	**द्विवचनम्**
जनान्	=	**बहुवचनम्**	वैभवेन	=	**एकवचनम्**

6. क. भगवान हरि ने स्वर्ग और नरक का निर्माण कराया।
ख. उन्होंने यमलोक के स्वामी के रूप में यमराज को नियुक्त किया।
ग. सभी लोग स्वर्ग ही जाते हैं, कोई भी नरक को नहीं।
घ. वे सभी पृथ्वीलोक जाकर कार्य में लगे लोगों को देखते हैं।
ङ. उन परिश्रमी लोगों को देखकर भगवान हरि बहुत प्रसन्न हुए।
च. भगवान हरि से आज्ञा प्राप्त लक्ष्मी पृथ्वी लोक में रम गईं।

7. क. आगन्तुमारब्धवन्तः = **आगन्तुम्** + **आरब्धवन्तः**
ख. त्यक्तुमिच्छामि = **त्यक्तुम्** + **इच्छामि**
ग. इत्यर्थम् = **इति** + **अर्थम्**
घ. समृद्धिश्च = **समृद्धिः** + **च**
ङ. देवानाञ्च = **देवानाम्** + **च**

8. क. उन्मूलेऽपि पादपोऽयं **सजीवः** अस्ति।
ख. साधोः **वचनम्** अमृततुल्यम् अस्ति।
ग. सर्वे जनाः **स्वर्गस्य** इच्छां कुर्वन्ति।
घ. सन्मार्गे एव **सुखं** लभते।
ङ. अहं स्व **अधिकारं** त्यक्तुम् इच्छामि।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

4 कन्याकुमारी

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. सर्वनाम बहुवचनम् ख. iii. सप्तमी विभक्त्याः
ग. ii. स्त्रीलिङ्गस्य

2. क. कन्याकुमारी रमणीयं पावनं च तीर्थस्थानम् अस्ति।
ख. देव्याः कन्याकुमार्याः सान्निध्येन इदं स्थानं पवित्रम् अभवत्।
ग. समुद्रमध्ये स्वामिविवेकानन्दस्य स्मारकम् अस्ति।
घ. समुद्रतटम् अनेकैः सिकताकणैः मनोहरं भाति।

3. क. कन्याकुमारी भारतस्य **दक्षिणे कोणे** अस्ति।
ख. **अरबहिन्महासागराभ्यां** परिवृतम् इदं स्थानं रमणीयम् अस्ति।
ग. पर्यटकाः **नितरां** मोदन्ते।
घ. तत्र जनाः **नौकया** गच्छन्ति।
ङ. समुद्रतटस्य **शीतः वायुः** सायं सेव्यः।
च. एतैः सह **सङ्गतिं** कृत्वा **एकतायाः** भावना वर्धनीया।

4. क. वृत् ख. भा ग. गम्
घ. गम् ङ. मुद्।

5. क. सूर्योदयः = **सूर्य** + **उदयः**
ख. सूर्यास्तः = **सूर्य** + **अस्तः**
ग. नातिदूरम् = **न** + **अतिदूरम्**
घ. चन्द्रोदयः = **चन्द्र** + **उदयः**
ङ. पवित्रमिदम् = **पवित्रम्** + **इदम्**
च. नातिदूरम् = **न** + **अतिदूरम्**

6. क. भारतदेशे अनेकानि पवित्राणि तीर्थानि रम्यानि च स्थानानि अस्ति।
ख. कन्याकुमारी भारतस्य दक्षिणभागे स्थिता अस्ति।
ग. इदं दृश्यं द्रष्टुं बहवः पर्यटकाः आयान्ति।
घ. समुद्रतटे सिकतायाः अनेकानां वर्णानां कणाः शोभनानि प्रतीयन्ते।
ङ. समुद्रतटस्य शीतलः वायुः सायङ्काले सेव्या।

7.

	पदम्		विभक्तिः	वचनम्
क.	स्थानेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
ख.	नौका	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
ग.	भारतस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
घ.	शिलायाम्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
ङ.	कन्याकुमार्याः	=	**पञ्चमी, षष्ठी**	**एकवचनम्**

8. क. भारतदेशस्य हिमालयक्षेत्रे **बहूनि** तीर्थस्थानानि सन्ति।
ख. अत्र अनेके **पर्यटकाः** भ्रमणाय आयान्ति।
ग. **जनाः** नौकया विहारं कुर्वन्ति।
घ. अनेकैः सिकातकण**वर्णैः** भाति समुद्रतटः।
ङ. भारतस्य विभिन्नेषु **स्थानेषु** अनेकानि भव्यानि मन्दिराणि सन्ति।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

5 सुमधुराः श्लोकाः

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. अव्ययम् ख. ii. पुंल्लिङ्गस्य
ग. iii. विधिलिङ्लकारस्य

2. क. फलानोवृक्षाः गुणिनोजनाः च नमन्ति।
ख. रोदनं बालानां बलम् अस्ति।
ग. माता, नेता, गुरुः, अन्नदाता भयत्राता च सर्वदा स्मरणीयाः।
घ. अन्यायेन उपार्जितं धनं समूलं विनश्यति।
ङ. परिश्रमेण विना दैवं न सिद्ध्यति।

3. क. नमन्ति **फलिनोवृक्षाः नमन्ति गुणिनो** जनाः।
शुष्कवृक्षाश्च मूर्खाश्च न **नमन्ति कदाचन**।।
ख. **जनिता चोपनेता च** यश्च विद्यां **प्रयच्छति**।
अन्नदाता **भयत्राता पञ्चैते चिरतः** स्मृताः।।
ग. **विद्वत्वं च नृपत्वञ्च** नैव तुल्यं **कदाचन**।
स्वदेशे **पूज्यते राजा विद्वान्** सर्वत्र **पूज्यते**।।

4. क. वृक्षाश्च = **वृक्षाः** + **च**
ख. चोपनेता = **च** + **उपनेता**
ग. पञ्चैते = **पञ्च** + **एते**
घ. चौराणामनृतम् = **चौराणाम** + **अनृतम्**
ङ. चैकादशे = **च** + **एकादशे**
च. नृपत्वञ्च = **नृपत्वम्** + **च**
छ. गतिर्भवेत् = **गतिः** + **भवेत्**
ज. मूर्खाश्च = **मूर्खाः** + **च**

5.

फलिनः वृक्षाः	=	**फलिन :**	शुष्कः वृक्षः	=	**शुष्कः**
दुर्बलः नृपः	=	**दुर्बलः**	विद्वान् पुरुषः	=	**विद्वान्**
दश वर्षाणि	=	**दश**	वीरः बालः	=	**वीरः**

6. क. मूर्खजनाः कदापि न नमन्ति।
ख. दुर्बलजनानां बलं राजा भवति।
ग. अन्यायेन उपार्जितं धनं समूलं नश्यति।

घ. विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।
ङ. परिश्रमेण विना भाग्यं न सिद्धयति।

7. क. बाला: प्रात: उत्थाय पितरौ **नमन्ति**।
ख. विद्वान् सर्वत्र **पूज्यते**।
ग. नृप: बुद्धिमते मन्त्रिणे पुरस्कारं **प्रयच्छति**।
घ. अन्यायेन उपार्जितं धनं समूलं **विनश्यति**।
ङ. हिमालय: भारतदेशस्य मुकुटमिव **विराजते**।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

6 सिंहः ब्राह्मणश्च

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. सिंह: ख. ii. स्वर्णमयम् ग. i. स्वभाव:

2. क. प्राणिनां वधे असमर्थत्वात् सिंह नद्या: तीरे वसति स्म।
ख. सिंह पथिकान् लोभयितुं यतते स्म।
ग. ब्राह्मणेन आलोचितम् यत् भाग्येन एतत् भवितुं शक्यते, परम् आत्मसन्देहे प्रवृत्तिर्न विधेया।
घ. ब्राह्मणेन तस्मिन् विश्वास: न कृते सति सिंह: अकथयत् यत् प्राक् अहं दुष्टस्वभावेन अनेकान् पशून् अमारयम्। परिणामस्वरूपं मम वंश: नष्ट:। अधुनाऽहं धर्मम् आचरन् जीवनं यापयामि। अत: नि:शङ्को भूय स्नात्वा इदं कङ्कणं गृहणातु।
ङ. सिंहेन धृतो ब्राह्मण: चिन्तयति यत् कदापि नदीनाम्, शस्त्रपाणीनाम्, नखिनाम्, शृङ्गीणाम्, स्त्रीषु राजकुलेषु च कदापि विश्वासो न कर्तव्य:। अस्योपरि विश्वास: कृत्वा मया साधु न कृतम्। अस्यैव फलमेतत्।

3. क. स: **प्राणिनां वधे** असमर्थ: आसीत्।
ख. कोऽपि जन: **तस्मिन्** न विश्वसिति स्म।
ग. परम् अत्र **आत्मसन्देहे** प्रवृत्तिर्न विधेया।
घ. सिंह: हस्तं प्रसार्य **कङ्कणम्** अदर्शयत्।
ङ. अनेन सिंहेन **शास्त्राणि** अधीतानि।

4. क. वसति ख. आसीत् ग. यतते
घ. अवदत्, आसम् ङ. मारिता: च. कृत:

5.

लोभयितुम्	=	**तुमुन्**	खादनीय:	=	**अनीयर्**
प्राप्य	=	**ल्यप्**	कृत्वा	=	**क्त्वा**
सेवमान:	=	**शानच्**	गत:	=	**क्त**
उक्तवान्	=	**क्तवतु**	गच्छन्	=	**शतृ**

6. क. वने अनेके हिंसका: पशव: वसन्ति।
ख. कोऽपि लुब्ध: पथिक: तेन आकर्षित: भवति स्म।
ग. अधुनाऽहम् एकाकी धर्मादिकं कार्यं कुर्वन् जीवनं यापयामि।
घ. स: पङ्के निमग्न:।
ङ. सिंह तम् अमारयत्।

7. क. शेर बूढ़ा था।
ख. वह नदी के किनारे रहता था।
ग. एक लालची ब्राह्मण वहाँ आया।
घ. सुनो, पहले मैं दुष्ट था।

8. क. एकदा एक: वृद्ध: सिंह: स्वर्ण **कङ्कणम्** अप्राप्नोत्।
ख. अधुना सिंह: प्राणिनां वधे **असमर्थ:** आसीत्।
ग. स: हस्तं **प्रसार्य** कङ्कणं प्रदर्शयति।
घ. एकदा मध्याह्ने एक: **पथिक:** तेन मार्गेन याति स्म।
ङ. स: नित्यं जनान् **लोभयितुं** यतते स्म।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

7 सती सावित्री

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. आत्मजा ख. iii. मात्रा ग. ii. अव्ययम्

2. क. मद्रदेशे अश्वपति: नाम्न: नृप: आसीत्।
ख. नृप: सावित्रीं सचिवै: सह वरम् अन्वेषणाय अप्रेषयत्।
ग. मुनि: नारद: नृपम् अवदत् यत् सुवदनया सावित्र्या अज्ञानतया महत् पापं कृतं यत: अनया गुणवान् सत्यवान् वृत:।
घ. नृप: नारदम् अपृच्छत् यत् यदि स सत्यवान् गुणवान् अस्ति तु पुन: सावित्र्या कथं पापं कृतम् इति।
ङ. वारं वारं निवारितेऽपि यदा सावित्री यमराजम् अनुगमनं न अत्यजत् तदा स: विवशो भूय सत्यवत: प्राणान् अमुञ्चत्।

3. क. तस्य **सावित्री** नाम्नी सुता आसीत्।
ख. मुनि: तस्यै **स्वस्ति** अवदत् तां च **वृत्तम्** अपृच्छत्।
ग. नारद: प्रत्यवदत्—''सत्यवान् **अल्पायु:** अस्ति।''
घ. त्वं श्व: एनां **सत्यवते प्रयच्छ**।
ङ. वने **सत्यवत:** शिरसि **वेदना** जाता।

4. क. आसीत् ख. अप्रेषयत् ग. अपश्यत्, अनमत्
घ. कृतम् ङ. यच्छतु च. अहरत्

5.

नाम्न:	=	**सम्बन्ध:**	**एकवचनम्**
नारीणाम्	=	**सम्बन्ध:**	**बहुवचनम्**
तस्यै	=	**सम्प्रदानकारकम्**	**एकवचनम्**
वरम्	=	**कर्मकारकम्**	**एकवचनम्**
तौ	=	**कर्ताकारकम्**	**द्विवचनम्**
सत्यवन्तम्	=	**कर्मकारकम्**	**एकवचनम्**
पत्यु:	=	**सम्बन्ध:**	**एकवचनम्**
प्राणान्	=	**कर्मकारकम्**	**बहुवचनम्**

6.

क.	प्रत्यागत्य	=	**प्रति** + **आगत्य**
ख.	प्रत्यवदत्	=	**प्रति** + **अवदत्**
ग.	दीर्घायु:	=	**दीर्घ** + **आयु:**
घ.	अन्वगच्छत्	=	**अनु** + **अगच्छत्**
ङ.	तथापि	=	**तथा** + **अपि**
च.	वर्षानन्तरम्	=	**वर्षा** + **अनन्तरम्**
छ.	प्रत्यर्पयत्	=	**प्रति** + **अर्पयत्**

7. क. प्राचीनकाले अश्वपति नाम्न: एक: नृप: आसीत्।
ख. स: स्व आत्मजां स्वयं वरं चयनार्थम् अकथयत्।
ग. बहुषु प्रदेशेषु भ्रमणानन्तरं सा स्व कृते एकं वरम् अचिनोत्।
घ. सत्यवान् अल्पायु अस्ति, त्वं कमपि अन्यं वरम् अन्वेषय।
ङ. परं सा तम् अनुगमनं न अत्यजत्।
च. विवशो भूय यमराज: सत्यवत: प्राणान् प्रत्यर्पयत्।

8. क. नृप: अश्वपति: सावित्रीं **वरम्** अन्वेषयितुम् अप्रेषयत्।
ख. बालेभ्य: **स्वस्ति**।
ग. अर्जुनादय: भीमम् **अन्वेषणाय** चिरं वने अभ्रमन्।
घ. देवस्य **दोष:** नास्ति, तस्य सङ्गति एव एतादृशी अस्ति।
ङ. भीष्मादय: दुर्योधनं वारं वारम् अबोधयन् **तथापि** स: कस्यापि वार्तां न अशृणोत्।
च. कुन्ती कर्णस्य शिर: अङ्के **निधाय** उपाविशत्।
छ. सावित्री भारतीयानां नारीणाम् **आदर्शा** अस्ति।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

8 महान् क्रान्तिकारी आजादः

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. अव्ययम् ख. i. तुमुन्
   ग. i. स्त्रीलिङ्गं षष्ठी विभक्तिः
2. क. वीराणां मृत्युः न भवति।
   ख. वयं चन्द्रशेखरम् आजादं आदरेण गौरवेन च स्मरामः।
   ग. स्वतन्त्रताः आन्दोलने महात्मागान्धि सदृशाः अहिंसायाः अनुयायिनः आसन् तु केचन क्रान्तिकारिणः अपि आसन् ये अहिंसाहिंसाभ्या भारतस्य स्वतन्त्रतायै कटिबद्धाः आसन्।
   घ. चतुर्दशवर्षीयः चन्द्रशेखरः स्वतन्त्रतायाः आन्दोलने अकूर्दत्।
   ङ. चन्द्रशेखरः संसदभवने बम्बविस्फोटम् अकारयत्।
   च. एकस्य सहयोगिनः विश्वासघातेन आजादः आङ्गलसैनिकैः परिवृतः।
3. क. सः भारतस्य **स्वतन्त्रतान्दोलनस्य** महान् वीरः आसीत्।
   ख. चन्द्रशेखरस्य जन्म **मध्यप्रदेशराज्यस्य झाबुआ जनपदस्य भावराग्रामे** अभवत्।
   ग. **कुपिताः आङ्गलीयाः तं ग्रहीतुं बहूनि प्रयत्नानि कृतवन्तः परं** सः तेषां हस्ते न आगतः।
   घ. **एकदा** सः इलाहाबादनगरस्य 'अल्फ्रैड' नामके उद्याने आसीत्।
   ङ. **अपरतः** क्रान्तिकारिणः आसन्, ये मातृभूम्यै **स्व रक्तम्** अर्पितवन्तः।
   च. एवं **बन्धनरहितः (आजादः)** एव सः अमरः अभवत्।
4. हतवान् = **क्तवतु** कृतवान् = **क्तवतु**
   अर्पयित्वा = **क्त्वा** कृतवन्तः = **क्तवतु**
   उक्त्वा = **क्त्वा** विहस्य = **ल्यप्**
   पठितुम् = **तुमुन्** भूतः = **क्त**
5. क. तिष्ठेम ख. अर्पितवन्तः ग. पराजित्य आसन्
   घ. अताडयन् ङ. प्रणम्य, उपविशति।
6.
क.	चतुर्थी	पुंल्लिङ्गम्	एकवचनम्
ख.	षष्ठी	पुंल्लिङ्गम्	एकवचनम्
ग.	पञ्चमी	पुंल्लिङ्गम्	एकवचनम्
घ.	सप्तमी	पुंल्लिङ्गम्	एकवचनम्
ङ.	प्रथमा	नपुंसकलिङ्गम्	एकवचनम्

7. क. भारतभूमेः रक्षायै समये समये अनेके वीराः बलिदानम् अकुर्वन्।
   ख. स्वतन्त्रतासङ्घर्षे आजादादीनां महतां क्रान्तिकारीणां महत् योगदानम् आसीत्।
   ग. आजादः आजीवनं देशस्य स्वतन्त्रतायै सङ्घर्षम् अकरोत्।
   घ. आङ्गलसैनिकाः अन्तपर्यन्तम् आजादं ग्रहीतुं न अशक्नुवन्।
   ङ. भारतभूमिः महावीराणां जन्मदात्री अस्ति।
8. क. **महावीरः** हनुमान् सीतायाः अन्वेषणम् अकरोत्।
   ख. महात्मा गान्धि **अहिंसायाः** अनुयायी आसीत्।
   ग. **कारागारे** बन्दीभूतोऽपि स भारतदेशस्य जयोद्घोषम् अकरोत्।
   घ. आङ्गलीयाः तं **भृशम्** अपीडयन्।
   ङ. भारतदेशः पर्वतसागराभ्यां **परिवृतः** अस्ति।
   च. एवं सः स्व जीवनं **समाप्तम्** अकरोत्।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

9 भगवान् श्रीरामः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. तिस्रः ख. ii. प्रेम्णा ग. i. युद्धे
2. क. राजा दशरथः अयोध्यायाः राज्यं करोति स्म।
   ख. दशरथस्य चत्वारः पुत्राः आसन्-रामः, भरतः, लक्ष्मणः शत्रुघ्नश्च।
   ग. श्रीरामस्य विवाहः सीतया सह अभवत्।
   घ. लङ्काधिपतिः राक्षसराजः रावणः सीताम् अपाहरत्।
   ङ. रावणस्य वधसमाचारं श्रुत्वा जनाः अति हर्षिताः अभवन्।
3. क. राज्ञः दशरथस्य **तिस्रः राज्ञः** आसन्।
   ख. दशरथः अतीव उदारः **प्रजावत्सलः च** आसीत्।
   ग. सर्वाः प्रजाः **सुखेन** वसन्ति स्म।
   घ. सर्वे जनाः परस्परं **प्रेम्णा व्यवहरन्ति** स्म।
   ङ. सीता जनकस्य **आत्मजासीत्।**
   च. युद्धे रावणस्य पुत्रः **मेघनादो हतः।**
   छ. श्रीरामः **अयोध्यायाः** राजा आसीत्।
4. क. राजा iii. **नृपः**
   ख. पुत्रः v. **सुतः**
   ग. स्नेहेन iv. **प्रेम्णा**
   घ. आत्मजा i. **पुत्री**
   ङ. कुलम् ii. **परिवारः**
5.
विभक्तिः	**लिङ्गम्**	**वचनम्**
प्रथमा, षष्ठी	स्त्रीलिङ्गम्, पुंल्लिङ्गम्	एकवचनम्
षष्ठी, तृतीया	पुंल्लिङ्गम्, स्त्रीलिङ्गम्	एकवचनम्
षष्ठी, तृतीया	पुंल्लिङ्गम्, स्त्रीलिङ्गम्	एकवचनम्
षष्ठी, पञ्चमी	स्त्रीलिङ्गम्, पुंल्लिङ्गम्	एकवचनम्

6. क. पुरा अयोध्यायाः **प्रतापी** नृपः दशरथः आसीत्।
   ख. लङ्काधिपतिः रावणः जनकसुतां सीताम् **अपाहरत्।**
   ग. द्रौपदी राज्ञः द्रुपदस्य **आत्मजा** आसीत्।
   घ. दानवीरः कर्णः अर्जुनस्य **भ्राता** आसीत्।
   ङ. **तेन** युद्धे जरासन्धः पराजितः।
   च. कीचकवधं **श्रुत्वा** दुर्योधनः भयातुरः अभवत्।
   छ. रामराज्ये सर्वे जनाः **सन्तुष्टाः** आसन्।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

10 महात्मा बुद्धः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. वह ख. i. सम्प्रदानकारकम् ग. ii. ल्यप्
2. क. नृपतिः शुद्धोधनः कपिलवस्तु नगरस्य राजा आसीत्।
   ख. सत्यम्, धैर्यम्, दया इत्येते गुणाः आसन् सिद्धार्थे।
   ग. देवदत्तः सिद्धार्थस्य पितृव्यपुत्रः आसीत्।
   घ. सिद्धार्थस्य अङ्के बिद्धः हंसः अपतत्।
   ङ. सिद्धार्थस्य विजयः अतः अभवत् यतोहि तेन एकस्य जीवस्य प्राणाः रक्षिताः।
   च. सिद्धार्थस्य हृदये प्रकाशः मगधदेशे गयानगरे बोधि इति वृक्षस्य अधः प्रादुरभवत्।
3. क. तस्य नाम **सिद्धार्थः** आसीत्।
   ख. असौ **कन्दर्प** इव रूपवान् **युधिष्ठिर इव** सत्यवादी आसीत्।
   ग. सिद्धार्थः **भ्रमणाय** उपवनम् अगच्छत्।
   घ. सिद्धार्थः रात्रौ **पत्नीं पुत्रं च** त्यक्त्वा **वनं** प्रविष्टः।
   ङ. सः भगवान् **बुद्धोऽभवत्।**
4.
	शब्दः		**अर्थः**
क.	नृपतिः	v.	**राजा**
ख.	इव	iii.	**समान**
ग.	अङ्के	iv.	**गोद में**
घ.	आरुह्य	ii.	**चढ़कर**
ङ.	समाराब्धा	vi.	**आरंभ हो गई**
च.	अधः	i.	**नीचे**

5.
क.	षष्ठी	एकवचनम्	पुंल्लिङ्गम्
ख.	तृतीया	एकवचनम्	नुपंसकलिङ्गम्
ग.	प्रथमा	एकवचनम्	स्त्रीलिङ्गम्
घ.	सप्तमी	एकवचनम्	पुंल्लिङ्गम्

ङ. [प्रथमा, एकवचनम् पुंल्लिङ्गम्,
द्वितीया एकवचनम् स्त्रीलिङ्गम्]

6. क. तस्य पत्नी मायादेवी आसीत्।
ख. सः जन्मना एव विविधैः गुणैः सम्पन्नः आसीत्।
ग. सिद्धार्थः हंसं तस्मै न अयच्छत्।
घ. तौ विवादमानौ न्यायाधीशस्य समीपम् अगच्छताम्।
ङ. मार्गे गच्छन् स अनेकान् रुग्णान् जनान् अपश्यत्।

7. क. सिद्धार्थ युधिष्ठिर की तरह सत्यवादी थे।
ख. मातृविहीन होते हुए वे बहुत ही दयालु थे।
ग. न्यायालय में सिद्धार्थ की विजय हुई।
घ. मार्ग में जाते हुए सिद्धार्थ ने एक वृद्ध को देखा।
ङ. महात्मा बुद्ध दयालु थे।

8. क. **असौ** सदा सत्यम् अन्वसरत्।
ख. एषः बाल्यात् **एव** उदारहृदयः आसीत्।
ग. सिद्धार्थस्य जन्मनः **पश्चात्** तस्य माता दिवंगता।
घ. **अतः** सः राज्यं त्यक्त्वा वनं प्रस्थितः।
ङ. तत्र **गत्वा** सः महत् तपः अकरोत्।
च. कदापि अधर्मस्य मार्गं **न** अनुसरणीयम्।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

11 द्वे मित्रे

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. निर् ख. ii. तृतीया ग. ii. वृक्षस्य

2. क. अजयविजयौ मित्रभावेन परस्परं भ्रमन्तौ खेलन्तौ च तिष्ठन्तौ आस्ताम्।
ख. जलं पीत्वा उभौ एकस्य वृक्षस्य अधः छायायाम् अतिष्ठताम्।
ग. भल्लूकं दृष्ट्वा विजयः झटिति वृक्षम् आरोहत्।
घ. वृक्षारोहणे असमर्थः अजयः मृतवत् तरोः मूले अपतत्।
ङ. यः विपत्सु सहायो न भवति तस्मिन् मित्रे विश्वासः न कार्यः।

3. क. अजयः **स्थूलः** आसीत् विजयः च **कृशः** आसीत्।
ख. तत्र एका **सरित्** अवहत्।
ग. **हे भगवन्! रक्षस्व** माम् अस्याः **आपदः**।
घ. सः **मृतवत्** तरोः मूले **अपतत्**।
ङ. यः **विपत्सु** सहायो न भवति तस्मिन् मित्रे **कदापि विश्वासः** न कार्यः।

4.

स्थूलः	=	**कृशः**	शत्रुः	=	**मित्रम्**
उपरि	=	**अधः**	समीपम्	=	**दूरम्**
सम्पदि	=	**विपदि**	जीवितम्	=	**मृतम्**
दूरम्	=	**समीपम्**	आरूढः	=	**अवतरितः**

5.

विभक्तिः	**लिङ्गम्**
प्रथमा, द्वितीया	नपुंसकलिङ्गम्
चतुर्थी	पुंल्लिङ्गम्
षष्ठी	स्त्रीलिङ्गम्
सप्तमी	स्त्रीलिङ्गम्
तृतीया	पुंल्लिङ्गम्
षष्ठी	एकववचनम्

6. क. अस्मिन् नगरे द्वे मित्रे अवसताम्।
ख. उभौ कर्मकुशलौ आस्ताम्।
ग. तत्र शीतलः मन्दश्च समीरः अवहत्।
घ. तौ तत्र विश्रामाय मुहूर्तम् अतिष्ठताम्।
ङ. सः मृतवत् तरोः मूले उपाविशत्।
च. भल्लूकः तं मृतं मत्वा अन्यत्र निरगच्छत्।

7. क. सहैव = **साथ ही**
तौ **सहैव** अपठताम्, अक्रीडताम्।
ख. प्रगाढा = **गहरी**
तयोः **प्रगाढा** मैत्री अभवत्।
ग. सुचिरम् = **बहुत देर तक**
अहं **सुचिरम्** उपवने अभ्रमम्।
घ. मत्वा = **मानकर**
सः तं मृतं **मत्वा** अन्यत्र निरगच्छत्।
ङ. असमर्थः = **जो योग्य न हो**
स्थूलः बालः वृक्षारोहणे **असमर्थः** आसीत्।
च. अन्यत्र = **दूसरी जगह**
बालम् आघ्राय भल्लूकः **अन्यत्र** निर्गतः।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

12 श्लोकाः

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. मारते हैं ख. i. तृतीया विभक्त्या:
ग. iii. कीर्तिः घ. i. नपुंसकलिङ्गस्य

2. क. गुणी पुत्रः वरम्। अस्य अपरम् उदाहरणम् अस्ति—एकः चन्द्रः तमः हन्ति तारागणाः न।
ख. यो न विद्वान् न च धार्मिकः तादृशस्य पुत्रस्य जन्म व्यर्थम्।
ग. उत्तमाः मानमिच्छन्ति।
घ. सज्जनाः शान्तिमिच्छन्ति।
ङ. नित्यं धनागम, निरोगिता, सुन्दरा, मधुरभाषिणी भार्या, आज्ञाकारी पुत्रः लाभकारी च विद्या; इत्येतानि सुखानि सन्ति संसारस्य।

3. क. **वरमेकोगुणी** पुत्रो न च **मूर्खाः शतान्यपि**।
ख. काणेन **चक्षुषा किं वा चक्षुः पीडैव** केवलम्।
ग. अधमाः **धनमिच्छन्ति धनं मानं च** मध्यमाः।
घ. यस्य न **प्रथितं** यशः।
ङ. वश्यश्च **पुत्रोऽर्थकरी च** विद्या।

4.

क.	वरमेको	=	**वरम्** + **एको**
ख.	शतान्यपि	=	**शतानि** + **अपि**
ग.	एकश्चन्द्रः	=	**एकः** + **चन्द्रः**
घ.	विद्वान्न	=	**विद्वान्** + **न**
ङ.	मातुरुच्चार	=	**मातुः** + **उच्चार**
च.	नित्यमरोगिता	=	**नित्यम्** + **अरोगिता**
छ.	कोऽर्थः	=	**कः** + **अर्थः**
ज.	पीडैव	=	**पीडा** + **एव**

5.

क.	कर्ता कारकम्, कर्म कारकम्	पुंल्लिङ्गम् नपुसंकलिङ्गम्
ख.	करण कारकम् कर्ता कारकम्	पुंल्लिङ्गम्, पुंल्लिङ्गम्
ग.	कर्ता कारकम्, कर्म कारकम्	पुंल्लिङ्गम्, नपुंसकलिङ्गम्
घ.	सम्बन्धः, सम्बोधनम्	पुंल्लिङ्गम्, पुंल्लिङ्गम्
ङ.	अधिकरण कारकम्, सम्बन्धः	नपुंसकलिङ्गम्, पुंल्लिङ्गम्

6. क. चन्द्रः अन्धकारं नश्यति, तारागणाः न।
ख. प्रत्येकः मनुष्यः विद्यां प्राप्नुयात्।
ग. नित्यं धनागमं सुखानि दापयति।
घ. मूर्खः पुत्रः शत्रुसमं भवति।
ङ. राजानः केवलं धनमिच्छन्ति।

7.

अधमा	=	**निम्न**	वरम्	=	**श्रेष्ठ**
जातेन	=	**उत्पन्न होने से**	मक्षिका	=	**मक्खियाँ**
व्रणम्	=	**धाव**	चक्षुः	=	**आँख**

8. क. कृष्णः कंसं **हन्ति**।
ख. अद्य मम शिरसि **पीडा** जायते।
ग. श्रेष्ठाः जनाः केवलं **मानम्** इच्छन्ति।
घ. तस्य जीवनं व्यर्थं यस्य यशः न **प्रथितम्**।
ङ. मक्षिकाः **व्रणम्** इच्छन्ति।
च. एषा मम **प्रिया** वाटिका अस्ति।
छ. कमलस्य उत्पत्तिः **पङ्के** भवति।
ज. **अपण्डितः** पुत्रः शत्रु इव।

क्रियाकलापः
विद्यार्थी स्वयं करें।

13 परोपकारः

अभ्यासकार्यम्

1. क. ii. लट्लकारस्य ख. iii. द्वितीया
   ग. i. आत्मनेपदी
2. क. ये जना: परोपकारं कुर्वन्ति, ते श्रेष्ठा: भवन्ति।
   ख. मानवान् विहाय सूर्य: चन्द्र:, पवन:, वृक्ष:, मेघ:, नदी इति परोपकारे संलग्ना: सन्ति।
   ग. महर्षि: दधीचि: स्व अस्थीनि अददात्।
   घ. ये जना: परेषाम् उपकारं कुर्वन्ति,तेषा सहायता ईश्वर: करोति।
   ङ. अट्ठारह पुराणों में व्यास जी के दो वचन हैं—पुण्य के लिए परोपकार और पाप के लिए दूसरों को कष्ट पहुँचाना।
3. क. परेषाम् उपकार: **परोपकारः** कथ्यते।
   ख. वृक्षा: परोपकाराय **फलन्ति**।
   ग. **महर्षिः दधीचिः देवेभ्यः** परोपकाराय स्व शरीरम् अपि अददात्।
   घ. महात्मा बुद्ध: जनानां **दुःखनिवारणाय** स्व **राज्यम्** अत्यजत्।
4. कथ्यते = **कहा जाता है** प्रवहन्ति = **बहती हैं**
   अस्थीनि = **हड्डियाँ** वर्षन्ति = **बरसते हैं**
   अददात् = **दी, दिया** अकुर्वन् = **किया**
5. क. संसार सप्तमी ख. चन्द्रादि प्रथमा
   ग. नदी प्रथमा घ. अस्थिन् द्वितीया
   ङ. तद् षष्ठी
6. क. केनापि = **केन** + **अपि**
   ख. परोपकार: = **पर** + **उपकारः**
   ग. कष्टान्यपि = **कष्टानि** + **अपि**
   घ. यथोक्तम् = **यथा** + **उक्तम्**
   ङ. चन्द्रादय: = **चन्द्र** + **आदयः**
   च. महर्षि: = **महा** + **ऋषिः**
7. क. परेषाम् **उपकारः** परोपकार: कथ्यते।
   ख. अयम् **श्रेष्ठः** जन: सदा परोपकारे संलग्न: तिष्ठति।
   ग. एषा बाला स्व कर्मणि पूर्णमनोयोगेन **संलग्ना** अस्ति।
   घ. दुर्जना: सदा **स्व** हितं साधयन्ति।
   ङ. **पुण्याय** सदा सत्कार्याणि कुरुत।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

14 विनयप्रश्नोत्तरम्

अभ्यासकार्यम्

1. क. iii. द्वितीया बहुवचनम् ख. ii. उद्
   ग. i. आने वाला कल
2. क. मनुष्याणाम् आभूषणं विनय: इति।
   ख. सज्जना: सत्यम् आचरन्ति।
   ग. येन लोका: धृता: स: धर्म: भवति।
   घ. धर्मेणहीना: पशुतुल्या: भवन्ति।
   ङ. सङ्गीत: मनोरञ्जनस्य साधनमिति।
3. क. अद्य अहं युष्मान् **विनयस्य विषये** पाठयिष्यामि।
   ख. सज्जानाम् आचार: **सदाचारः** भवति।
   ग. सत्येव परमो **धर्मः** भवति।
   घ. सङ्गीतसाहित्यकला**विहीनाः** पशुतुल्या: भवन्ति।
   ङ. सङ्गीत: **मनोरञ्जनस्य** साधनं भवति।
4. लभमान: = **शानच्** नीत: = **क्त**
   श्रुतवान् = **शानच्** पठित्वा = **क्त्वा**
   उपगम्य = **ल्यप्** हन्तुम् = **तुमुन्**
5. क. सन्मार्गस्यानुसरणं धर्म: अस्ति।
   ख. धर्महीन: मानव: पशुतुल्य: भवति।
   ग. विनयेन मनुष्य: सर्वप्रिय: भवति।
   घ. सङ्गीत: मनोरञ्जनस्य साधनं भवति।
   ङ. सदाचारेण मनुष्य: संयमशील:, आत्मविश्वासी निर्भयश्च भवति।
6. क. वयम् ख. युष्माभि: ग. ये, ते
   घ. सर्वेषाम् ङ. सर्वे
7. क. अद्य अहं **युष्मान्** सत्यताया: महत्त्वं कथयिष्यामि।
   ख. सत्य: परमो **धर्मः** अस्ति।
   ग. अन्यै: गुणै: सह **निर्भीकता** अपि स्यात्।
   घ. विनयेन जन: **प्रियः** भवति।
   ङ. जीवने **संयमः** अपि आवश्यक: अस्ति।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

15 प्रियं गृहम्

अभ्यासकार्यम्

2. क. iii. द्वौ शुकौ ख. ii. वाटिका
   ग. i. पुष्पपादपा:
1. क. कल्याणपुर: इति ग्राम: यमुनाया: पवित्रे तटे स्थित: अस्ति।
   ख. उत्कर्षस्य गृहे माता, पिता, अनुजौ, भगिनी इत्येते सदस्या: सन्ति।
   ग. धेनो: दुग्धेन शरीरं पुष्टं भवति।
   घ. वाटिका मनोरमा अस्ति।
3. क. कल्याणपुर: **शोभनः ग्रामः** अस्ति।
   ख. अत्र प्रतिवर्षं **जनाः स्नानाय** आगच्छन्ति।
   ग. अति **रमणीया** प्रिया च मम **वाटिका**।
   घ. वाटिकाया: समीपम् एक: **कूपः** अस्ति।
   ङ. कूपस्य समीपं **विशालः वटवृक्षः** विलसति।
4. स्वकीयम् = **निजम्** प्रचुरम् = **अत्यधिकम्**
   शोभा = **सुन्दरता** गृहम् = **सदनम्**
   वाटिका = **उपवनम्** जना: = **लोकाः**
   धेनु: = **गौः** निर्मलम् = **स्वच्छम्**
5. क. वयं ग्रामे वसाम:।
   ख. मम वाटिकायां अनेके वृक्षा: सन्ति।
   ग. उभौ अपि शुकौ मम वचनानि अनुकुरुत:।
   घ. कूपस्य समीपं वृक्षा: विलसन्ति।
   ङ. वयमत्र शान्तिम् अनुभवाम:।
6. प्रज्ञया निर्मितं चित्रं बहु **शोभनम्** अस्ति।
   गङ्गाया: जलं **पवित्रं** भवति।
   भो: बालक! **पुष्पं** मा त्रोटय।
   उपवनेऽस्मिन् आगत्य आबालवृद्धा: **आनन्दं** नयन्ति।
   एषा धेनु: **प्रचुरं** दुग्धं ददाति।

क्रियाकलापः

विद्यार्थी स्वयं करें।

16 महाराणा प्रतापः

अभ्यासकार्यम्

1. क. i. स्व शरीरस्य ख. iii. प्रताप:
   ग. ii. अकबरस्य घ. i. स्वतन्त्रतायै

2. क. वीरा: आजीवनं स्वतन्त्रताप्राप्त्यै सङ्घर्षम् अकुर्वन्।
   ख. महाराणा प्रताप: बाल्यात् एव निर्भीक: आसीत्।
   ग. यावत् मम देश स्वतन्त्र: न भविष्यति तावद् अहं सुखोपभोगं न करिष्यामि, भूमौ एव शयिष्ये स्वर्णपात्रेषु च भक्षयिष्यामि इति प्रतिज्ञाम् अकरोत् महाराणा प्रताप:।
   घ. देहल्या: शासक: अकबर: आसीत्।
   ङ. अन्तकाले प्रताप: निज सैनिकान् आदिशत् यत् यावत् भारतभूमि: स्वतन्त्रता न भवेत् तावत् सुखसाधनानां परित्यागं करणीयम्।

3. क. **महाराणा प्रताप:** तेषु अन्यतम: आसीत्।
   ख. **चित्तौड़गढ़स्य महाराज:** उदयसिंह: आसीत्।
   ग. प्रताप: बाल्याद् एव **निर्भीक:** आसीत्।
   घ. अकबर: **वाण्या** मधुर: आसीत्।
   ङ. स: सर्वदा **स्वतन्त्रताया:** पक्षपाती आसीत्।

4. क. तस्यैव = **तस्य + एव**
   ख. बलिदानमकुर्वन् = **बलिदानम् + अकुर्वन्**
   ग. प्राणेभ्योऽपि = **प्राणेभ्य: + अपि**
   घ. कर्तुमिच्छति = **कर्तुम् + इच्छति**
   ङ. सदैव = **सदा + एव**
   च. यावन्मम = **यावत् + मम**

5.

	पदम्		वचनम्	लिङ्गम्
क.	भुवि	=	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ख.	स्वतन्त्रतायै	=	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
ग.	वीराणाम्	=	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
घ.	स्वर्णपात्रेषु	=	**बहुवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
ङ.	साधनानि	=	**बहुवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
च.	कष्टम्	=	**एकवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
छ.	कन्दरासु	=	**बहुवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**

6. क. अधिकरणकारकम् ख. कर्ताकारकम्
   ग. अपादानकारकम् घ. कर्ताकारकम्
   ङ. करणकारकम्

7. क. शरीरस्य = **शरीर का**
   शरीरस्य शुद्धि: अत्यावश्यका अस्ति।
   ख. पालक:= **पालन करने वाला**
   ईश्वर: सर्वप्राणिनां **पालक:** अस्ति।
   ग. अभिषेचनम् = **अभिषेक**
   अयोध्याया: सिंहासने श्रीरामस्य **अभिषेचनम्** अभवत्।
   घ. जेतुम् = **जीतने के लिए**
   अकबर: सर्वान् भारतीयशासकान् **जेतुं** प्रयत्नशील: आसीत्।
   ङ. रक्षक: = **रक्षा करने वाला**
   रक्षक: भक्षकात् श्रेष्ठ: भवति।
   च. उपलब्धम् = **उपलब्ध**
   पुरा धरायां शुद्धं पर्यावरणम् **उपलब्धम्** आसीत्।

क्रियाकलाप:
विद्यार्थी स्वयं करें।

17 व्याकरणम्

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

नोट